आपकी खबर, हमारी पहचान

# जम्मू न्यूज़ मिशन

शहर, देश, शेयर बाजार, खेल

www.jammunewsmission.com | jammunewsmission | jammunewsmission | jammunewsmission | jammunewsmission

● वर्षः 2 ● अंकः 10 ● पृष्ठः 16 ● सोमवार ● सांबा (जम्मू-कश्मीर) ● 10 मार्च, 2025 ● रुपए 5 ● Title Code No. JKHIN00426

# बजट सत्र 2025 : मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपना पहला बजट पेश किया, प्रमुख कल्याणकारी पहलों का अनावरण किया

## जम्मू-कश्मीर में 10 लाख से अधिक वंचित व्यक्तियों के लिए पेंशन में वृद्धि

**मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू-कश्मीर के लिए अपना पहला बजट पेश किया, जिसमें जन-हितैषी पहलों और शासन सुधारों की एक श्रृंखला की रूपरेखा प्रस्तुत की गई, जो इस प्रकार हैंः**

एएवाई परिवारों के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा

अप्रैल 2025 से एएवाई लाभार्थियों के लिए प्रति व्यक्ति 10 किलोग्राम अतिरिक्त राशन

जम्मू-कश्मीर में 10 लाख से अधिक वंचित व्यक्तियों के लिए पेंशन में वृद्धि

ईडब्ल्यूएस लड़कियों के लिए विवाह सहायता 50,000 रु. से बढ़ाकर 75,000 रु. की गई

अप्रैल 2025 से ई-बसों सहित सरकारी स्वामित्व वाले परिवहन पर जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के लिए मुफ्त सवारी

रक्त संबंधियों के बीच संपत्ति हस्तांतरण के लिए स्टाम्प ड्यूटी में छूट

**जम्मू**

अपने भाषण की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''बड़ी विनम्रता और कर्तव्य की गहरी भावना के साथ, मैं आज वित्त मंत्री के रूप में अपना पहला बजट पेश करने के लिए आपके सामने खड़ा हूं। हालांकि यह एक सम्मान की बात है, लेकिन मैं इस महत्वपूर्ण मोड़ पर जम्मू-कश्मीर के वित्त का संरक्षक होने के साथ आने वाली जिम्मेदारी के भार से पूरी तरह वाकिफ हूं।

यह बजट सिर्फ एक वित्तीय विवरण नहीं है यह एक नए और समृद्ध जम्मू-कश्मीर का रोडमैप है, जो हमारे लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति और सतत विकास के लिए एक मजबूत नींव रखता है।'' बजट सामाजिक कल्याण, बुनियादी ढांचे के विकास और वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित है।

अपने बजट भाषण में, सीएम ने कहा कि बुनियादी ढांचे, पर्यटन, कृषि और उद्योग में बड़े निवेश के साथ, 2025-26 में जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था 9.5 प्रतिषत की दर से बढ़ने का अनुमान है। शासन और राजकोषीय सुधारों पर, सीएम ने केंद्रीय अनुदानों पर निर्भरता कम करने, राजस्व संग्रह में **शेष पृष्ठ 15 पर**

## अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025

# समकालीन कला एवं शिल्प क्षेत्र में महिला कलाकारों एवं कारीगरों की अधिक भागीदारी ने इस क्षेत्र को समृद्ध किया है और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के ताने-बाने को मजबूत किया हैः एलजी

### जम्मू एवं कश्मीर तथा देश के कई कारीगरों ने नई उपलब्धियाँ हासिल की हैं और अन्य लोग एक उज्जवल भविष्य के लिए अपने शिल्प का निर्माण कर रहे हैंः एलजी सिन्हा

**जम्मू**

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बुद्ध आर्ट एंड पेंटिंग द्वारा पद्मश्री पद्मा सचदेव राजकीय महिला महाविद्यालय, गांधी नगर के सहयोग से आयोजित 'सशक्त नारी सम्मान' कार्यक्रम में शामिल हुए। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति को शुभकामनाएं दीं।

उपराज्यपाल ने कहा, मानवता के भविष्य को आकार देने में नारी शक्ति का प्रभाव बहुत बड़ा है। उन्हें रचनात्मकता को पोषित करने और सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए अस्तित्व से एक विशेष उपहार मिला है।

उपराज्यपाल ने जम्मू-कश्मीर की महिला कलाकारों और कारीगरों की उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त किया।

उपराज्यपाल ने कहा, महिला कलाकार और कारीगर सतत विकास की वास्तुकार हैं। एक उत्कृष्ट निर्माता होने के लिए, किसी को प्रेम, दया और करुणा से भरा होना चाहिए और यही बात महिला कलाकारों को अद्वितीय बनाती है।

समकालीन कला और शिल्प क्षेत्र में महिला कलाकारों और कारीगरों की अधिक भागीदारी ने इस क्षेत्र को समृद्ध किया है और हमारे सांस्कृतिक लोकाचार के ताने-बाने को मजबूत किया है। जम्मू-कश्मीर और देश के कई कारीगरों ने नए मील के पत्थर हासिल किए हैं और अन्य एक उज्जवल कल के लिए अपना रास्ता बना रहे हैं। **शेष पृष्ठ 15 पर**

# करनाह में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार कदम उठा रही है- मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

**जम्मू**

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पर्यटन-संचालित आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए करनाह, केरन, माछिल और गुरेज जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं को व्यावसायिक कौशल से लैस करके उन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों के अकुशल युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा ताकि वे पर्यटन क्षेत्र से संबंधित व्यवसायों में कौशल हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री, जिनके पास पर्यटन विभाग भी है, ने करनाह जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में विधायक जाविद अहमद मिरचल के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाह में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और इसे और तलाशने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा हमारा मानना है कि करनाह में पर्यटन की संभावनाएं हैं, हमें उस संभावना को तलाशने की जरूरत है। हाल ही में करनाह में बॉर्डर फेस्टिवल और योग फेस्टिवल जैसे उत्सव आयोजित किए गए। इसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर के बाहर के लोगों को करनाह की पर्यटन क्षमता और इसकी संस्कृति के बारे में बताना है। इस तरह की पहलों के कारण, हमने पर्यटन में धीरे-धीरे वृद्धि देखना शुरू कर दिया है। इस कारण से, **शेष पृष्ठ 15 पर**

# महिलाओं के सम्मान में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हीरानगर में भव्य कार्यक्रम आयोजित

कठुआ

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हीरानगर में विश्व महिला दिवस हर्षोल्लास और गर्व के साथ मनाया गया। यह विशेष आयोजन विद्यालय के प्रांगण में हुआ, जहां महिलाओं के सम्मान और उनके अद्वितीय योगदान को समर्पित विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की प्राचार्या के हरित स्वागत और दीप प्रवलन से हुई, जो विद्यालय समुदाय की महिलाओं के प्रति सम्मान और कृतज्ञता को प्रदर्शित करता है। विद्यालय के कला शिक्षक धनंजय शर्मा ने अपने हाथों से बनाई एक विशेष पेंटिंग प्राचार्या को भेंट की। महिलाओं के लिए विद्यालय की जोशीली शिक्षिका संगीता ने विशेष रूप से गुब्बारा फोड़ना और म्यूजिकल चेयर जैसे मनोरंजक खेलों का आयोजन किया और अंग्रेजी शिक्षक राजेश ने प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिता आयोजित करवाई जिसमें महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। ये खेल न केवल मनोरंजन के साधन बने, बल्कि महिलाओं के बीच सामुदायिक भावना को भी सशक्त किया। वरिष्ठतम शिक्षक धर्मवीर ने महिलाओं के सम्मान में एक प्रेरणादायक और उदार वक्तव्य दिया, जिसमें उन्होंने महिलाओं के योगदान की महत्ता पर प्रकाश डाला और उनकी उपलब्धियों की सराहना की। उनके शब्दों ने इस समारोह को और भी सार्थक बना दिया। साथ में विद्यालय की शिक्षिकाएं दीपिका और पूनम ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने अपने जीवन में आई चुनौतियों और उपलब्धियों के बारे में बताया और सभी को प्रेरणा दी। उनके अनुभवों ने सभी उपस्थित महिलाओं को प्रोत्साहित और उत्साहित किया। इसके पश्चात प्राचार्या ने अपना वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सम्मान और उनकी उपलब्धियों की सराहना हमारे समाज की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है। हमें गर्व है कि हम अपने विद्यालय में महिलाओं को उनके अद्वितीय योगदान के लिए समर्पित इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर सकते हैं। हम सभी को मिलकर एक समानता और सशक्तिकरण की दिशा में काम करना चाहिए। समारोह के समापन पर दृष्टि यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय हीरानगर ने इस कार्यक्रम के माध्यम से अपने विद्यालय में महिलाओं की भूमिका और उनके महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के बाद विद्यालय में महिला दिवस के लिए सजाए गए सेल्फी स्टैंड पर सभी ने सुंदर और मनमोहक फोटो लिए। इस प्रकार यह आयोजन महिलाओं के सम्मान और गर्व के प्रतीक के रूप में यादगार बना।

# जम्मू में सीसीआई के कार्यक्रम में ओ पी शर्मा की डोगरी साहित्य के पुरोधा का पूर्वावलोकन किया गया

जम्मू

जम्मू में एक भव्य साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें वरिष्ठ पत्रकार और लेखक ओ पी शर्मा की नई पुस्तक डोगरी साहित्य के पुरोधा का पूर्वावलोकन यहां चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (सीसीआई) द्वारा आयोजित एक समारोह में किया गया। पुस्तक में 1970 से साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेताओं सहित 50 प्रमुख डोगरी लेखकों के योगदान पर प्रकाश डाला गया है।

सीसीआई के अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने मातृभाषा के रूप में डोगरी के महत्व पर जोर दिया और डोगरी साहित्यिक प्रतीकों के जीवन और कार्यों का दस्तावेजीकरण करने में शर्मा के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान संविधान की 8वीं अनुसूची में डोगरी को शामिल करने के लिए किए गए कठिन संघर्ष को याद किया जब चमन लाल गुप्ता ने केंद्रीय मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी मेडिकल कॉलेज जम्मू के प्रोफेसर और डोगरी भाषा के प्रचार के पक्षधर ने भी पुस्तक की समृद्ध प्रलेखन के लिए प्रशंसा की। व्यापार जगत के नेताओं, सीसीआई के पदाधिकारियों और उपस्थित लोगों ने डोगरी साहित्य की निरंतर प्रगति में गहरी रुचि दिखाई।

एक संवादात्मक सत्र के दौरान ओ पी शर्मा ने दर्शकों के प्रश्नों का उत्तर दिया और नागरिकों से भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग के रूप में डोगरी के प्रचार का समर्थन करने का आग्रह किया। स्टारलाइन सिंडिकेट सर्विस द्वारा प्रकाशित 200 पृष्ठों की सचित्र पुस्तक में प्रो. रामनाथ शास्त्री, पद्मा सचदेव, जितेंद्र उधमपुरी और अन्य जैसे साहित्यिक दिग्गजों की प्रोफाइल शामिल हैं। यह किलों, महलों, मंदिरों और रियासी रेलवे ब्रिज और अटल सेतु जैसे आधुनिक स्थलों की तस्वीरों के माध्यम से डोगरा विरासत को भी प्रदर्शित करता है।

# ब्रिगेडियर डीएन पांडे ने श्री छोटे शाह सरकारी डिग्री कॉलेज, मेंढर में एनसीसी गतिविधियों की समीक्षा की

जम्मू

एनसीसी जम्मू ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर डीएन पांडे ने सीमा क्षेत्र में चल रही एनसीसी गतिविधियों का आकलन करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए श्री छोटे शाह सरकारी डिग्री कॉलेज मेंढर का दौरा किया। 5 जेएंडके बटालियन एनसीसी के कमांडिंग ऑफिसर, पीआई स्टाफ और गर्ल कैडेट इंस्ट्रक्टर (जीसीआई) के साथ, उन्हें कॉलेज के एनसीसी कैडेटों द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

प्रिंसिपल डॉ. मोहम्मद आजम, एएनओ डॉ. लियाक़ित अली, केयरटेकर डॉ. रहफ़ित नाज़ कौसर, संकाय सदस्यों और कैडेटों द्वारा स्वागत किया गया, इस दौरे में आस-पास के स्कूलों के एनसीसी दलों ने एकता और अनुशासन का प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में ब्रिगेडियर पांडे ने कैडेटों के उच्च मनोबल, समर्पण और अनुशासन की सराहना की तथा

जिम्मेदार नागरिकों और भविष्य के नेताओं को आकार देने में एनसीसी के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को सशक्त बनाने में एनसीसी की भूमिका को स्वीकार किया, खासकर दूरदराज के सीमावर्ती क्षेत्रों में, तथा उनसे शिक्षा और आत्म-विकास को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

प्रधानाचार्य डॉ. मोहम्मद आजम ने कैडेटों के शारीरिक प्रशिक्षण को बढ़ाने, उन्हें थल सेना कैंप, नई दिल्ली में उत्कृष्टता प्राप्त करने और सशस्त्र बलों में करियर के लिए तैयार करने में मदद करने के लिए कॉलेज में एक बाधा कोर्स स्थापित करने के लिए समर्थन का अनुरोध किया। ब्रिगेडियर पांडे ने आश्वासन दिया कि अनुरोध पर विचार किया जाएगा तथा क्षेत्र में छात्रों के विकास के लिए एनसीसी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस यात्रा ने मेंढर में एनसीसी गतिविधियों की महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला और अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्रीय सेवा के माध्यम से जम्मू और कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए अकादमी के मिशन को मजबूत किया।

# जेकेएएसीएल ने बहुभाषी महिला कवि गोष्ठी के साथ महिला दिवस मनाया

जम्मू

जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति और भाषा अकादमी (जेकेएएसीएल) ने केएल सहगल हॉल, जम्मू में बहुभाषी महिला कवि गोष्ठी के साथ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जिसमें विभिन्न भाषाओं की महिला कवियों की साहित्यिक प्रतिभा का जश्न मनाया गया।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध साहित्यकार सुनीता भड़वाल (डोगरी), अनिला सिंह चाढ़क (हिंदी) और संतोष शाह नादान (कश्मीरी) ने की, जबकि जेकेएएसीएल की सचिव हरविंदर कौर ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई। उन्होंने निर्णय लेने में महिलाओं की जन्मजात शक्ति पर प्रकाश डाला और सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए लैंगिक भेदभाव को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। जेकेएएसीएल, जम्मू के मंडल प्रमुख डॉ. जावेद राही ने अतिथियों का स्वागत किया और साहित्य में महिलाओं के योगदान की सराहना की, समाज को आकार देने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया। इस कार्यक्रम में कई प्रतिभाशाली कवियों ने डोगरी, हिंदी, पंजाबी, कश्मीरी, उर्दू, पहाड़ी और गोजरी में अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं, जो इस क्षेत्र की भाषाई विविधता को दर्शाती हैं।

समारोह का समापन जेकेएएसीएल की डोगरी संपादक रीता खड्याल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कवियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। महिला कवि गोष्ठी महिलाओं के कलात्मक और बौद्धिक योगदान के लिए एक शक्तिशाली श्रद्धांजलि थी जिसने जम्मू और कश्मीर की समृद्ध साहित्यिक विरासत को बढ़ावा देने के लिए जेकेएएसीएल की प्रतिबद्धता को मजबूत किया।

# विधायक ने बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई कार्यों का किया निरीक्षण, गुणवत्ता का खास ख्याल रखने के निर्देश

जम्मू

अखनूर के विधायक मोहन लाल भगत ने क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई से जुड़े विभिन्न कार्यों का निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान उन्होंने बडयाला चक एवं नड़ क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा मेन न्यू प्रताप कैनाल के आर.डी 4200 - 10000 मीटर के बीच जारी 70.24 लाख रूपये के आधुनिकरण के कार्य का निरीक्षण किया। स्थानीय लोगों ने इस कार्य में गुणवत्ता की सराहना की।

विधायक ने चिनाब नदी के किनारे स्थित चक किरपालपुर, मुठी, मैरा, चक सिकंदर और सितड़याला में चिनाब के बढ़ते जलस्तर से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण विभाग को युद्धस्तर पर डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए। विधायक ने बताया कि पहले से जारी तटीकरण एवं सुरक्षा कार्यों के बावजूद कुछ क्षेत्र छूट गए थे, जहां हाल ही में बढ़ते जलस्तर के कारण किसानों की भूमि जलमग्न हो गई।उन्होंने बताया कि विभाग ने 5.04 करोड़ रूपये की डीपीआर तैयार की है, जिसे वह संबंधित मंत्री के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। साथ ही, जम्मू के डीसी से एसएसवाई के तहत 40 लाख रूपये की राशि इमरजेंसी राहत कार्यों के लिए मुहैया कराने का आश्वासन मिला है। मैरा क्षेत्र में जारी कार्य में आई रुकावट को दूर करने के लिए विधायक ने विभागीय अधिकारियों, ठेकेदारों और स्थानीय लोगों के बीच समन्वय स्थापित किया, जिससे अब यह कार्य पुनः शुरू हो सकेगा।

उन्होंने जनता से निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने की अपील की और अपना मोबाइल नंबर साझा करते हुए कहा कि किसी भी तरह की अनियमितता की जानकारी उन्हें दी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही एवं भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। विधायक ने आश्वासन दिया कि अखनूर क्षेत्र में बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई से जुड़ी सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

निरीक्षण के दौरान बाढ़ नियंत्रण विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता संजीव, सिंचाई विभाग के सहायक कार्यकारी अभियंता मोहित केरनी, भाजपा जिला अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, कुलदीप सिंह, अनिल शर्मा, सुमन सिंह, रविंदर सिंह, दलेर सिंह, काली दास, पंडित शाम लाल शर्मा, जोगराज, चमन वर्मा, सुदेश कुमार समेत अन्य अधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## डॉ. राजीव ने बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र को प्रगति और सौहार्द का आदर्श बनाने का संकल्प लिया

जम्मू।

डॉ. राजीव कुमार भगत विधायक बिश्नाह ने कुंजवानी के निकट पुराना पुथा सोहोरा गांव में 1.5 किलोमीटर लंबे लिंक रोड के मेकडैमाइजेशन कार्य का शुभारंभ किया। इस सड़क का निर्माण नाबार्ड के तहत पीडब्ल्यूडी (आर एंड बी) डिवीजन आरएसपुरा सब डिवीजन बिश्नाह द्वारा किया जाएगा। डॉ. राजीव ने इस सड़क के निर्माण कार्य को शुरू करने की आसपास के ग्रामीणों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया। यह सड़क निश्चित रूप से आसपास के ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार लाएगी और गांव धरप और अन्य आसपास के गांवों को कुंजवानी बिश्नाह सड़क से जोड़ेगी। इससे आसपास के हर निवासी की सुविधा बढ़ेगी और यात्रा बहुत आसान हो जाएगी। विधायक ने बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र को आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा मैं इंजीनियरों से इस काम में उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आह्वान करता हूं, क्योंकि हम जो भी परियोजना शुरू करते हैं वह उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और लोगों द्वारा हम पर रखे गए विश्वास को दर्शाती है।

## जम्मू की बेटी रोमी शर्मा को इंटरनेशनल वुमन्स डे पर मैक्स अस्पताल द्वारा सम्मानित किया गया

जम्मू।

जम्मू की प्रतिष्ठित व्यक्तित्व रोमी शर्मा को समाज में उनके असाधारण योगदान के लिए इंटरनेशनल वुमन्स डे के अवसर पर मैक्स अस्पताल, द्वारका द्वारा सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम उनके कला, साहित्य और सामाजिक सक्रियता में दो दशक से अधिक की उपलब्धियों को समर्पित था। रोमी शर्मा एक कुशल अभिनेत्री, लेखिका, निर्माता और शांति निर्माता हैं। उन्होंने शिक्षा में मास्टर्स डिग्री, मास कम्युनिकेशन और जर्नलिज्म में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा और नर्सरी टीचर्स ट्रेनिंग की पढ़ाई की है। उन्होंने 1993 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) थिएटर कार्यशाला के बाद अपनी कलात्मक यात्रा शुरू की। अपने करियर के दौरान, उन्होंने 400 से अधिक धारावाहिकों और टेलीफिल्मों में अभिनय किया और कई प्रसिद्ध थिएटर निर्देशकों के साथ काम किया। उनकी साहित्यिक उपलब्धियों में नहीं अभी अंत नहीं (कहानी संग्रह) और वजह हो तुम (काव्य संग्रह) जैसी कई उल्लेखनीय रचनाएँ शामिल हैं। कला के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों के साथ-साथ, रोमी ने सामाजिक सक्रियता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से 1947 के विभाजन के दौरान बिछड़े परिवारों को फिर से मिलाने के प्रयासों के लिए। उनकी एनजीओ, परिवर्तन (चेंज वी नीड), समाज के वंचित वर्गों को शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से सहायता प्रदान करती है। रोमी शर्मा को नेशनल वुमन एक्सीलेंस शक्ति अचीवमेंट अवार्ड, सुषमा स्वराज नारी गौरव सम्मान, और महाराजा हरि सिंह सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। मैक्स अस्पताल में उन्हें मिला यह सम्मान उनके समाज के प्रति अथक योगदान को उजागर करता है और यह जम्मू और कश्मीर के लिए गर्व का क्षण है।

# लीड ने लद्दाख, जम्मू और कश्मीर में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर दिया जोर

जम्मू

एलजेके आर्थिक विकास और विकास वार्ता (लीड) ने रविवार को एक सभी क्षेत्रों की बैठक आयोजित की जिसमें लद्दाख, जम्मू और कश्मीर में सतत आर्थिक विकास के लिए रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए उद्योगपतियों, नीति निर्माताओं और प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाया गया। सत्र में चल रही पहलों की समीक्षा और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए भविष्य की कार्य योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

लीड के निदेशक सुनील शाह ने वर्तमान में चल रहे जमीनी स्तर के विकास पर जोर दिया, विभिन्न क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं के प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने घोषणा की कि लीड इस वर्ष एक राष्ट्रीय स्तर के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा जिसमें निवेशकों, व्यापारिक नेताओं, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों को एक साथ लाकर क्षेत्र की आर्थिक प्रगति के लिए एक परिवर्तनकारी रोडमैप तैयार किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना और सतत विकास के लिए कार्रवाई योग्य कदमों को लागू करना है।

लीड के बोर्ड सदस्य हरिंदर गुप्ता ने संगठन की पहलों का क्षेत्रवार और जिला-विशिष्ट अवलोकन प्रदान किया, जिसमें स्थानीय उद्योगों को मजबूत करने, नवाचार को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर पैदा करने की योजनाओं का विवरण दिया गया। उन्होंने उपस्थित लोगों को सभी कोर सदस्यों और समन्वयकों का परिचय भी कराया।

इसी बीच रूपेश जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जम्मू और कश्मीर के प्रांत प्रचारक, लीड के मिशन के लिए अपना समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए बैठक में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जम्मू और कश्मीर में लीड की आर्थिक पहल शेष भारत के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है। बैठक में बोर्ड के सदस्य राजेश गुप्ता, संजीव शर्मा, सुरिंदर मोहन गुप्ता और विक्रम गुजराल शामिल हुए। सेक्टर समन्वयक और प्रभारी में रमन सूरी, केके शर्मा, एचके राजधान, परवीन परगल, आरके छिब्बर, दिनेश गुप्ता, विशाल अबरोल, गौरव गुप्ता, गौरव अबरोल, सुनील महाजन, अन्य प्रमुख हितधारक शामिल थे।

जम्मू न्यूज़ मिशन

# डिगियाना में 47.45 लाख रुपये की लागत वाली पीएचई पाइपलाइन परियोजना का उद्घाटन किया

जम्मू

वरिष्ठ भाजपा नेता और बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने शनिवार वार्ड नंबर 45 डिगियाना में 47.45 लाख रुपये की अनुमानित लागत वाली पीएचई पाइपलाइन परियोजना का उद्घाटन किया जो प्रतिष्ठित जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर नल से जल के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उद्घाटन समारोह में एईई अमित शर्मा और जेई अरुण कुमार सहित पीएचई विभाग के प्रमुख अधिकारी शामिल हुए। मंडल अध्यक्ष रितिका मैडम जैसे प्रमुख स्थानीय नेता, साहिल शर्मा, दलैर सिंह, नरिंदर कोकी, सतपॉल चौधरी, विनोद शर्मा, वरिंदर गुप्ता, संजू भाऊ और अन्य सम्मानित समुदाय के सदस्य भी मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम रंधावा ने बुनियादी ढांचे के विकास और निवासियों की भलाई के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा यह पाइपलाइन परियोजना हर घर को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमारे समर्पण का प्रमाण है। स्वच्छ जल तक पहुँच एक मौलिक अधिकार है और हम यह सुनिश्चित करने के अपने प्रयासों में दृढ़ हैं कि डिगियाना के निवासियों को निर्बाध और सुरक्षित जल आपूर्ति मिले।

विधायक विक्रम रंधावा ने जोर देकर कहा कि मोदी सरकार का जल जीवन मिशन एक परिवर्तनकारी पहल है जिसका उद्देश्य हर घर नल से जल सुनिश्चित करना है। उन्होंने आगे कहा कि जेजेएम न केवल सुरक्षित पेयजल की तत्काल आवश्यकता को संबोधित करता है बल्कि जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और स्थायी संसाधन प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देकर व्यापक सामाजिक-आर्थिक विकास में भी योगदान देता है। उन्होंने कहा कि यह समग्र दृष्टिकोण एक सशक्त और आत्मनिर्भर ग्रामीण भारत के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है। विधायक रंधावा ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल को प्राप्त करने के लिए मोदी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि देश के हर घर में सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो। वरिष्ठ भाजपा नेता ने पीएचई अधिकारियों पर निर्धारित समय सीमा के भीतर काम पूरा करने और गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का पालन करने पर जोर दिया।

# नटरंग ने संडे थियेटर सीरीज में हिंदी नाटक अजगर राज का मंचन किया

जम्मू

नटरंग ने अपने साप्ताहिक संडे थियेटर सीरीज के तहत नटरंग स्टूडियो थियेटर में चिरंजीत द्वारा लिखित और नीरज कांत द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक अजगर राज की प्रस्तुति के साथ विचारोत्तेजक रंगमंच की अपनी परंपरा को जारी रखा। यह नाटक साम्राज्यवादी और विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं के खिलाफ एक साहसिक कदम उठाता है। नाटक उजागर करता है कि कैसे ऐसी विचारधाराएँ वैश्विक अस्थिरता, युद्ध और विनाश को बढ़ावा देती हैं।

अजगर राज के राज्य में स्थापित, नाटक उसके 74वें जन्मदिन पर सामने आता है जहाँ वह अपने गुरु शैतान से मिले वरदान का हवाला देते हुए खुद को अमर घोषित करता है। खुद को भगवान घोषित करते हुए वह सामूहिक उत्सव मनाने का आदेश देता है और अपनी लाल किताब को एक दिव्य ग्रंथ के रूप में दुनिया भर में स्वीकार करने का आदेश देता है। उसकी अधिनायकवादी महत्वाकांक्षाएँ बढ़ती जाती हैं क्योंकि वह सभी धर्मों को मिटाने का आदेश देता है, अपनी विचारधारा को बार-बार रेडियो पर प्रसारित करता है। हालांकि, एक रहस्यमयी आवाज उसे चेतावनी देती है कि सभी स्वघोषित भगवान और तानाशाह

अपने विनाश को प्राप्त कर चुके हैं और वह कोई अपवाद नहीं होगा। नागरिक अशांति, बढ़ते वैश्विक प्रतिरोध और अपने विरोधियों के बीच डर के खत्म होने के बारे में अपने प्रधानमंत्री की चेतावनियों के बावजूद, अजगर राज भ्रम में रहता है। प्रभुत्व स्थापित करने के एक हताश प्रयास में वह भारत पर हमले का आदेश देता है। हालाँकि जैसे ही वह अपना आदेश देता है, हवा बेकाबू हँसी से भर जाती है। प्रधानमंत्री बताते हैं कि भारत सहित दुनिया उनकी खोखली धमकियों का मज़ाक उड़ा रही है। नाटक एक प्रतीकात्मक नोट पर समाप्त होता है जो दिखाता है कि कैसे अहंकार और अत्याचार अंततः उपहास और पतन की ओर ले जाते हैं। इस शक्तिशाली प्रदर्शन में नटरंग के प्रतिभाशाली युवा कलाकार आर्यन शर्मा, अदक्ष बागल और कृषय भाटिया शामिल थे। अजगर राज के साथ नटरंग एक बार फिर सामाजिक और राजनीतिक चिंतन के माध्यम के रूप में रंगमंच की शक्ति को साबित करता है तथा दर्शकों को दमनकारी शासन के भाग्य के बारे में एक स्थायी संदेश देता है।

## जम्मू-कश्मीर में लक्षित हत्याओं के खिलाफ पाक विरोधी प्रदर्शन

जम्मू

मिशन स्टेटहुड के अध्यक्ष सुनील डिंपल ने बिलावर और बसोली में तीन निर्दोष नागरिकों की लक्षित हत्याओं के खिलाफ जम्मू में एक पाकिस्तान विरोधी प्रदर्शन का नेतृत्व किया। जानीपुर हाई कोर्ट रोड पर एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की निंदा करते हुए पाकिस्तानी झंडे के साथ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, आईएसआई, हाफिज सईद और मसूद अजहर के पुतले जलाए।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए डिंपल ने कहा कि शहीदों के खून का बदला लिया जाएगा और कहा, खून का बदला खून से लेंगे। उन्होंने हत्याओं की सीबीआई और एनआईए जांच की मांग की और क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों को जारी रखने के खिलाफ पाकिस्तान को चेतावनी दी। उन्होंने याद दिलाया कि अभी हाल ही में इसी क्षेत्र में एक आतंकवादी हमले में एक कैप्टन सहित पांच जवान शहीद हो गए थे। डिंपल ने जम्मू-कश्मीर पुलिस महानिदेशक और सुरक्षा बलों से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आईएसआई स्लीपर सेल और आतंकवादी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए ऑपरेशन ऑल-आउट शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने क्षेत्र में पाकिस्तान समर्थित घुसपैठियों पर कार्रवाई करने का भी आह्वान किया।

प्रशासन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए डिंपल ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के इस्तीफे की मांग की और भाजपा सरकार पर आतंकवाद पर लगाम लगाने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बावजूद शांतिपूर्ण जम्मू में आतंकवाद बढ़ गया है।

कठुआ, सांबा, डोडा, किश्तवाड़, भद्रवाह, बसोली, पुंछ, राजौरी और सीमाओं पर बार-बार हमले हो रहे हैं। इसके अलावा डिंपल ने पीओके और गिलगित-बाल्टिस्तान को वापस लेने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और पूर्ण पैमाने पर युद्ध का आह्वान किया, ताकि उन्हें जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनाया जा सके। उन्होंने फिर से पुष्टि की कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा

## जम्मू में 14 जनवरी को मनाया जायेगा होली का पर्व

जम्मू

होली का पर्व फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस विषय में श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष, ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि होली के पर्व से आठ दिन पहले होलाष्टक प्रारंभ होते हैं। इस वर्ष होलाष्टक का आरंभ 7 मार्च, शुक्रवार से हुआ था, जो 14 मार्च, शुक्रवार को समाप्त होगा।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष होली का पर्व 14 मार्च, शुक्रवार को मनाया जाएगा। पूर्णिमा तिथि का आरंभ 13 मार्च, गुरुवार को प्रातः 10 बजकर 36 मिनट पर होगा और पूर्णिमा तिथि का समापन 14 मार्च, शुक्रवार को दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर होगा। फाल्गुन रात्रि पूर्णिमा व्रत 13 मार्च, गुरुवार को और फाल्गुन दिवा पूर्णिमा व्रत 14 मार्च, शुक्रवार को रखा जाएगा। होलिका दहन का शुभ मुहूर्त 13 मार्च, गुरुवार को रात्रि 11 बजकर 31 मिनट से रात्रि 11 बजकर 59 मिनट तक रहेगा। होलिका दहन प्रायः उत्तर प्रदेश, बिहार आदि राज्यों में प्रमुख रूप से किया जाता है।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि होली एक सामाजिक पर्व है, जिसका हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। यह पर्व पूरे भारत में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाता है। होली का पर्व अपने प्रारंभिक काल से ही हास-परिहास और मनुष्य की आसुरी प्रवृत्तियों के दहन का प्रतीक रहा है। यह पर्व प्रत्येक युग और परिस्थिति में सांस्कृतिक परंपराओं के साथ सामंजस्य बिठाते हुए सामाजिक समरसता, जातिगत सौहार्द और धार्मिक सद्भावना को प्रोत्साहित करता है, जो सभी के जीवन में वास्तविक रंग और आनंद लाता है।

रंगों के माध्यम से इस दिन सभी के बीच की दूरियाँ मिट जाती हैं। सभी धर्म और संप्रदाय के लोग आपसी भेदभाव को भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाकर इस पर्व को मनाते हैं। महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि होली रंगों का त्योहार है, लेकिन आज के आधुनिक समय में रासायनिक रंगों ने प्राकृतिक रंगों का स्थान ले लिया है, जो त्वचा के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए होली खेलते समय सावधानी बरतनी चाहिए और केवल प्राकृतिक रंगों का ही उपयोग करना चाहिए, जो शरीर के लिए सुरक्षित होते हैं।

# सरकार जिला अस्पताल राजौरी को उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करेगी–सकीना इत्तू

## जीएमसी राजौरी में रिक्त पड़े शिक्षण संकाय पदों को जेकेपीएससी को भेजा गया

जम्मू

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सदन को सूचित किया कि जिला अस्पताल राजौरी को जनता की सुविधा के लिए किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा।

मंत्री ने विधानसभा में जावेद इकबाल चैधरी द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि जिला अस्पताल राजौरी भीड़भाड़ वाला है और मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए पर्याप्त जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अस्पताल को जनता की सुविधा के लिए किसी उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा।

मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार आम जनता को बेहतर रोगी देखभाल प्रदान करने और सभी स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे का उन्नयन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संस्थानों में रिक्तियों को समय पर भरने के प्रयास जारी हैं।

सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी में जनशक्ति के बारे में विवरण साझा करते हुए, मंत्री ने कहा कि जीएमसी राजौरी में शिक्षण संकाय, सीएमओएस, एलएमओएस की स्वीकृत संख्या 119 है और कार्यरत कर्मचारी 55 हैं जबकि 64 रिक्त पद हैं।

उन्होंने सदन को यह भी बताया कि गैर-राजपत्रित कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या 415 है, इनमें से 293 कार्यरत हैं और 122 पद रिक्त हैं। मंत्री ने कहा कि सभी रिक्त शिक्षण संकाय पदों को विज्ञापन और उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन के लिए जेएंडकेपीएससी को भेजा जाता है।

मंत्री ने कहा कि 2020 के एसओ 364 दिनांक 27.11.2020 के संदर्भ में प्रत्येक विषय में संकाय की कमी को पूरा करने के लिए रिक्त पदों को नियमित रूप से शैक्षणिक व्यवस्था के आधार पर भरा जा रहा है।

अराजपत्रित रिक्तियों को भरने के संबंध में मंत्री ने बताया कि सरकार इस मामले पर सक्रियता से विचार कर रही है।

विधायक खुर्शीद अहमद, अरविंद गुप्ता, डॉ. शफी अहमद वानी, पवन कुमार गुप्ता, एजाज जान, इफ्तिखार अहमद, मुजफ्फर इकबाल खान और शब्बीर अहमद कुल्ले ने अनुपूरक प्रश्न उठाए।

# विधानसभा में बजट पर सामान्य चर्चा फिर से शुरू हुई

जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश किए गए बजट 2025 पर चर्चा हुई।

बजट चर्चा की शुरुआत करते हुए जावेद हुसैन बेग ने बजट का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह वर्तमान सरकार के भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखने वाला संतुलित बजट है। लोगों को सरकार से बहुत उम्मीदें हैं और उनके साथ किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे।

तारिक हमीद कर्रा ने प्रस्तावित बजटीय प्रावधानों पर बोलते हुए कहा कि बजट में सभी सामाजिक क्षेत्रों को छूने वाली सकारात्मकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि दिहाड़ी मजदूरों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, रिक्त पदों को भरने, कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के मुद्दे को बजट में प्रमुखता मिलनी चाहिए थी।

उन्होंने अन्य सामाजिक पहलुओं और आर्थिक पहलुओं, सतत पर्यटन और खनिज दोहन सहित अन्य चीजों के बारे में भी विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि समुदाय की भलाई के लिए हमें वोट देने वाले लोगों के कल्याण के लिए हमारे कंधों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है और हम लोगों के जनादेश का सम्मान करने के लिए बाध्य हैं।

अर्जुन सिंह राजू ने उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश किए गए बजट को अपना पूरा समर्थन देते हुए कहा कि यह जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए एक विजन, रोडमैप और प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि बजट उम्मीद की किरण है जो यह सुनिश्चित करता है कि समाज का कोई भी वर्ग विकास और प्रगति के मामले में पीछे न छूटे।

तनवीर सादिक ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक क्षण है कि जम्मू-कश्मीर में भारी घाटे के बावजूद इस तरह का बजट पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार का पहला बजट है और बहुत कठिन परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद यह एक अच्छी शुरुआत है। लोगों से किए गए सभी वादे चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

सुनील भारद्वाज ने कहा कि बजट लोगों की आकांक्षाओं को पूरी तरह से प्रतिबिंबित नहीं करता है।

नजीर गुरेजी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि यह एक बेहद संतुलित बजट है, जिसमें अधिकांश वंचित लोगों का ख्याल रखा गया है।

उन्होंने कहा, यह हमारी सरकार का पहला बजट है और लोग अगले पांच वर्षों में हमारी प्रगति और प्रदर्शन को देखेंगे। हम समय रहते सभी मुद्दों का समाधान करेंगे।

बलवंत सिंह मनकोटिया ने केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर को दिए जा रहे सहयोग की सराहना की।

फारूक शाह ने कहा कि यह एक उल्लेखनीय बजट है क्योंकि इसमें समाज के हर वर्ग का ध्यान रखा गया है, खासकर महिला सशक्तिकरण, पर्यटन, 200 यूनिट मुफ्त बिजली और विवाह सहायता सहित अन्य चीजों पर इसका ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर हम केंद्र शासित प्रदेश की पर्यटन क्षमता का पूरी तरह से पता लगा लें तो जम्मू-कश्मीर एशिया का स्विट्जरलैंड बन सकता है।

# विभिन्न स्तरों पर 4200 से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों को जल्द ही समेकित किया जाएगा–सकीना इत्तू

## जम्मू–कश्मीर में 554 एनटीपीएचसी मौजूद हैं

जम्मू

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने आज सदन को बताया कि सरकार मौजूदा स्वास्थ्य सुविधाओं के समेकन पर काम कर रही है और आज की तारीख में जम्मू-कश्मीर में विभिन्न प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्तर पर 4200 से अधिक स्वास्थ्य संस्थान मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में 554 एनटीपीएचसी काम कर रहे हैं।

मंत्री ने शौकत हुसैन गनी द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की रिपोर्ट के अनुसार, जम्मू-कश्मीर देश में स्वास्थ्य संस्थान घनत्व में शीर्ष प्राप्तकर्ताओं में से एक है।

कंजुलार, कापरिन, तुर्कवांगम और शरतपोरा उप केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में अपग्रेड करने के संबंध में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने बताया कि अभी तक भविष्य में किसी भी निर्माण और उन्नयन की योजना नहीं बनाई गई है, जिस पर वित्त विभाग द्वारा लगाए गए सरकारी आदेश संख्या 17-एफ ऑफ 2024 दिनांक 15.01.2024 के संदर्भ में मितव्ययिता उपायों को वापस लेने के बाद काम किया जा सकता है।

सकीना इत्तू ने यह भी कहा कि अन्य बातों के अलावा, महत्वपूर्ण अंतराल को भरने के लिए, विभाग का लक्ष्य मौजूदा स्वास्थ्य सेवा सुविधा को आईपीएचएस मानदंडों के अनुसार सख्ती से मजबूत करना, एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए हब और स्पोक मॉडल के माध्यम से एक मजबूत ई-संजीवनी, टेली-मेडिसिन सुविधाओं को विकसित करके चिकित्सा सहायता प्राप्त करने वाले आम आदमी को सहायता प्रदान करना है।

मंत्री ने उल्लेख किया कि भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानक मोटे तौर पर स्वास्थ्य सुविधाओं के निर्माण और उन्नयन के लिए मानक हैं। इससे पहले, आईपीएचएस 2012 का उपयोग किया जा रहा था और अब आईपीएचएस 2022 मानदंड प्रचलन में हैं, जो वर्तमान में स्वास्थ्य संस्थानों के किसी भी भविष्य के निर्माण और उन्नयन के लिए उपयोग किया जाने वाला व्यापक दस्तावेज है।

# जिला पूंजीगत व्यय के तहत बिश्नाह का सौंदर्यीकरण किया जाएगा–मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

जम्मू

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अरनिया और बिश्नाह का सौंदर्यीकरण जिला पूंजीगत व्यय कार्यों के तहत किया जाएगा, जबकि नगर पालिकाओं के माध्यम से स्वच्छता प्रयास पहले से ही किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जम्मू और कश्मीर विधानसभा में सदस्य राजीव कुमार भगत के एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए यह जानकारी दी।

इससे पहले, अपने तारांकित प्रश्न में, सदस्य ने बिश्नाह निर्वाचन क्षेत्र में अरनिया और बिश्नाह शहरों के सौंदर्यीकरण के लिए एक विशेष पैकेज के बारे में पूछा।


## NOTICE

I Sudesh Kumari W/o Swaran Lal R/o W.No. 6, Kartholi Tehsil Bari Brahmana Distt. Samba, do hereby notify that i have lost the number plate of the vehicle JK21H 5573. Now i want issuance of the duplicate number plate. Objection if any maybe conveyed to conerned authority within week.

# संपादकीय

## अभिव्यक्ति का हक

### सोच-समझकर संवेदनशीलता से हो कार्रवाई

यह विडंबना ही है कि आजादी के पिचहत्तर साल बाद भी शीर्ष अदालत को याद दिलाना पड़ा है कि संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति की आजादी अनिवार्य हक है। यह भी कि हमारी पुलिस अब तक स्वतंत्र अभिव्यक्ति का मर्म नहीं समझी है और अकसर राजनीतिक दबाव में कार्यवाही कर देती है। कमोबेश यही स्थिति सत्ता पक्ष की भी है कि वो अपनी आलोचना पर तल्ख होकर अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण करने पर उतारू हो जाता है। ऐसे मामलों में पुलिस का भी दायित्व बनता है कि अभिव्यक्ति की सही व्याख्या करे। उसके बाद ही किसी तरह की कार्रवाई करे। निश्चय ही ऐसे मामलों में बेहद संवेदनशीलता की जरूरत होती है। वहीं दूसरी ओर हाल के दिनों में किसी राजनेता के बयान, फिल्मों, साहित्यिक अभिव्यक्ति पर भावनाएं आहत होने के आरोप लगाने का फैशन ही बन गया है। दरअसल, कला व साहित्य में अभिव्यक्ति बिंबों व प्रतीकों के माध्यम से की जाती है। जिसकी सतही व्याख्या करके आनन-फानन में मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। भारतीय समाज की तो सदियों से यह खूबसूरती ही रही है कि सभी विचारों व तर्कों का सम्मान किया जाता रहा है। लेकिन हाल के सोशल मीडिया के दौर में कथित भावना आहत होने के आरोप लगाने का रिवाज सा बन गया है। इसके विपरीत सत्ता पक्ष को सुविधाजनक लगने वाले तल्ख विचारों की अभिव्यक्ति का नोटिस नहीं लिया जाता। विडंबना यह है कि पुलिस भी सत्ता पक्ष के दबाव के चलते न्यायसंगत कार्रवाई नहीं कर पाती। यही वजह है कि पिछले दिनों सांसद इमरान प्रतापगढ़ी की कविता पर प्राथमिकी दर्ज होने तथा अश्लील अभिव्यक्ति करने वाले रणवीर इलाहाबादिया के प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट ने मार्गदर्शक टिप्पणियां की। इसमें प्रतापगढ़ी की कविता का मर्म समझे बिना उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की कड़ी आलोचना की गई। साथ ही शीर्ष अदालत ने सरकारी दिशा-निर्देशों में स्वतंत्र अभिव्यक्ति की गरिमा का ध्यान रखने को भी कहा, जिससे किसी के साथ अन्याय न हो सके।

निस्संदेह, अदालत ने स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लोकतांत्रिक व संवैधानिक मूल्यों के रूप में अपरिहार्य होने का जिक्र करते हुए दोटूक शब्दों में कहा कि कम से कम आजादी के सात दशक बाद पुलिस को इसकी गरिमा का अहसास होना चाहिए था। कोर्ट ने नसीहत दी कि प्रतापगढ़ी के खिलाफ मामला दर्ज करने से पहले पुलिस को कविता पढ़नी चाहिए थी और उसका वास्तविक अर्थ समझना चाहिए था। कविता इंसाफ और प्रेम को अभिव्यक्त करती थी, न कि हिंसा-दुर्भावना को। कोर्ट ने ऐसी ही टिप्पणी डिजिटल प्लेटफार्म के एक कार्यक्रम में भदेस-अश्लील शब्दावली का प्रयोग करने वाले रणवीर इलाहाबादिया को फिर से कार्यक्रम की अनुमति देते वक्त की है। कोर्ट ने चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के मायने अश्लील अभिव्यक्ति कदापि नहीं है। कोर्ट ने इलाहाबादिया को सख्त लहजे में चेताया कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर वे नैतिकता व अश्लीलता की सीमाओं के अतिक्रमण करने का दुस्साहस कदापि न करें। अदालत ने सोशल मीडिया मंचों के दुरुपयोग पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि सरकार इस बाबत दिशा-निर्देश जारी करे ताकि सेंसर करने तथा मापदंडों का फर्क स्पष्ट हो सके, जिससे आनन-फानन में विचारों की स्वतंत्रता पर अनावश्यक अंकुश न लगाया जा सके। निस्संदेह, आजकल जब सोशल मीडिया के कतिपय मंचों पर असामाजिक व्यवहार मर्यादाओं की सीमा लांघना आम होता जा रहा है, इनका गाइडलाइन्स के जरिये नियमन जरूरी हो जाता है। लेकिन पुलिस-प्रशासन को जल्दबाजी में कार्रवाई करने के बजाय संवेदनशील ढंग से चीजों का अवलोकन करना चाहिए। यह जानते हुए कि किसी भी लोकतंत्र में नागरिकों की स्वतंत्र अभिव्यक्ति एक अपरिहार्य शर्त है। वैसे अभिव्यक्ति की आजादी को लेकर शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी पहली बार नहीं आई। स्वतंत्र अभिव्यक्ति को लेकर कई बार मंथन भी होते हैं। लेकिन पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई में आवश्यक संजीदगी नजर नहीं आती। यही वजह है कि अदालतों में भावनाओं के आहत होने वाले कथित मामले लगातार आते ही रहते हैं। जबकि अधिकांश मामलों में राजनीतिक व धार्मिक दुराग्रह देखने को मिलते हैं। कई लोग बड़े लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर चर्चा में आने का मौका तलाश लेते हैं। निस्संदेह, पुलिस-प्रशासन की संवेदनशीलता व सत्ता की उदारता से ही अभिव्यक्ति की आजादी की गरिमा रक्षित होगी। इसके अलावा महत्वपूर्ण यह भी है कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर हम अपनी अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा के प्रति सचेत रहें। हमारी उदासीनता समाज में निहित स्वार्थी तत्वों को मनमानी का अवसर देती है। स्वतंत्र अभिव्यक्ति के लिये बनाया गया जनता का दबाव सत्ता व पुलिस-प्रशासन को मनमानी करने से रोकता है।

**मुख्य संपादक**
**विवेक धल्लम**

**स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक विवेक धल्लम ( गली नं. 1, वॉर्ड नं. 12, नजदीक एग्रो पेट्रोल पंप व तहसील, बाड़ी ब्राह्मणा, जम्मू व कश्मीर 181133) द्वारा शिवम् आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, फव्वारा चौक (नजदीक जेएंडके बैंक) ग्रेटर कैलाश, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) से प्रकाशित।**

**संपादक**
**विवेक धल्लम**

**फोन- 9419180421, ईमेल: admin@jammunewsmission.com**

**नोट: इस अंक में प्रकाशित सामग्री से संपादक प्रकाशित का सहमत होना आवश्यक नहीं है।**

**प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जाएगा। सभी विवादों का निपटारा जम्मू संभाग की सीमा के अंतर्गत आने वाली सक्षम न्यायालयों व फोरमों में ही किया जाएगा।**

# क्रूर एवं आक्रांता मुगल शासक हमारे आदर्श कैसे?

**फिल्म 'छावा' कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है।**

मुगल बादशाह औरंगजेब की क्रूरता, अत्याचार एवं यातनाएं एक बार फिर बॉलीवुड की फिल्म छावा के कारण सुर्खियों में है। इस बार मामला सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित नहीं है बल्कि राजनीति में भी गर्मा गया है। समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी के बयान ने महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल ला दिया है एवं देश के बहुसंख्य समाज की भावनाओं को आहत किया है। भारत में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो इस्लामिक कट्टरता के साथ जुड़ने में गर्व एवं गौरव की अनुभूति करता है, भले ही इससे देश की एकता एवं अखण्डता क्षत-विक्षत होती हो। इस्लाम के नाम पर जिसने हजारों हिंदू मंदिरों को ध्वस्त किया, तलवार की नोक पर बड़ी संख्या में लोगों को जबरन मुसलमान बनाया, ऐसे क्रूर एवं सांप्रदायिक शासक औरंगजेब को नेकदिल और महान शासक बताना, आखिर किस तरह की सोच है? भारत के अतीत को जघन्य अपराधों, कट्टरतावादी सोच एवं यातनाओं से सींचने वाले मुगल शासकों के प्रति यह कैसा मोह एवं ममत्व है? हिन्दू धर्म एवं संस्कृति पर आक्रमण करने वाले हमारे आदर्श कैसे हो सकते हैं? भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं समृद्धि को कुचलने वाले महान् शासक कैसे हो सकता है? इन प्रश्नों को लेकर देशभर में छिड़ी बहस हमें आत्मावलोकन एवं मंथन का अवसर दे रही है।

फिल्म 'छावा' कोरी फिल्म ही नहीं, हिन्दुओं को संगठित करने का अभियान है, जिसने औरंगजेब के क्रूर एवं बर्बर चरित्र को प्रस्तुत किया है, यह फिल्म मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक और छत्रपति शिवाजी महाराज के बड़े बेटे संभाजी महाराज की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में संभाजी के साहस, बलिदान और औरंगजेब के अत्याचारों को दिखाया गया है। संभाजी को औरंगजेब ने छलपूर्वक 1689 में क्रूरता से मरवा दिया था, जिसे फिल्म में भावनात्मक ढंग से पेश करने की सफल एवं सार्थक कोशिश हुई है। इस फिल्म में समाजवादी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र विधायक अबू आजमी ने इतिहास को गलत ढंग से पेश करने का आरोप लगाते हुए औरंगजेब की तारीफ करके विवाद को और हवा दे दी। आजमी ने कहा, औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था। उसने कई मंदिर बनवाए और उसके शासन में भारत सोने की चिड़िया था। आजमी ने यह भी दावा किया कि औरंगजेब और संभाजी के बीच की लड़ाई धार्मिक नहीं, बल्कि सत्ता की थी। इस तरह मुगल आक्रांताओं की तारीफ करना सपा के डीएनए में है। हो सकता है आजमी का यह औरंगजेब प्रेम एवं मुस्लिम कट्टरतावादी सोच हो, लेकिन औरंगजेब ने संभाजी महाराज को 40 दिनों तक जो यातनाएं दीं, वह क्या थी? उनकी आंखें निकाली गईं, जीभ काटी गई, उनके शरीर को लहूलुहान करके उस पर नमक छिडका और फिर उनकी हत्या कर दी गई, इस तरह क्रूरता एवं बर्बरता बरतने वाले शासक को कैसे आदर्श कहा जाये? असंख्य महिलाओं एवं बच्चों पर अत्याचार करना, जबरन धर्म परिवर्तन कराना, हिन्दू मन्दिरों को तोड़ना, देश की समृद्धि का गलत उपयोग करना कैसे प्रेरणास्पद हो सकता है?

औरंगजेब पोत राज्यों, राजपूताना और मराठा शासकों के परिवारों का अपहरण कर लेता था और उन्हें बंधक बना लेता था। ताकि वह निर्विरोध शासन करते हुए सम्पूर्ण भारत पर आधिपत्य कर सके। उसने सभी गैर-मुस्लिम प्रजा और पोत राज्यों से धार्मिक असहिष्णुता कर जज़िया वसूला। औरंगजेब एक असहिष्णु, क्रूर एवं कट्टरपंथी था और उसकी कट्टरता के कारण करोड़ों लोगों को कष्ट सहना पड़ा। शांति और बहुसंस्कृतिवाद की भूमि भारत में ऐसे अत्याचारी को आदर्श नहीं बनाया जाना चाहिए। यह पहली बार नहीं है जब औरंगजेब जैसे मुगल शासकों के प्रति प्रेम का प्रदर्शन उमड़ा हो, जब दिल्ली की एक सड़क का नाम औरंगजेब रोड से बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखा गया था, तब भी बहुत हाय-तौबा मचाई गयी थी। उस समय भी अनेक लोगों ने औरंगजेब को महान शासक बताया था। जबकि इतिहासकारों ने भी दर्ज किया है छल से छत्रपति संभाजी को पकड़ने के बाद औरंगजेब ने अत्याचार एवं अमानवीयता की सभी हद पार करते हुए जुल्म किए। औरंगजेब छत्रपति संभाजी को इस्लाम कबूल करने के लिए मजबूर कर रहा था लेकिन छत्रपति ने सब प्रकार के कष्ट सहे लेकिन इस्लाम कबूल नहीं किया। जब फिल्मकार ने इस सच को सिनेमा के माध्यम से सबके सामने रखा तो अबू आजमी ने सच को स्वीकारने की बजाय इतिहास को ही झुठलाने का प्रयास किया। उनके बयान की पक्ष-विपक्ष सबने आलोचना की है। कुल मिलाकर, औरंगजेब की तारीफ करने पर चौतरफा घिरे सपा विधायक अबू आजमी को विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज की गई हैं जब मामला और बिगड़ गया तो अबू आजमी ने माफी मांगी। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने जो कहा, वह इतिहासकारों के हवाले से कहा। लेकिन बड़ा प्रश्न है कि वे कौन से इतिहासकार हैं जिनका हवाला अबू आजमी दे रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अबू आजमी सरीखे कुछ चाटुकार एवं चारण लोग इतिहासकारों में भी हुए हैं, कांग्रेस के शासन में ऐसे इतिहासकारों से मुगल शासन को महिमामंडित करके लिखवाया गया एवं स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर हिन्दुस्तान की रग-रग में उतारा गया है। औरंगजेब जैसे तानाशाही शासकों के क्रूर चेहरे को छिपाने के लिए झूठे-सच्चे कुछ किस्सों का सहारा लिया है। परंतु ये फर्जी इतिहासकार सच को छिपा नहीं सके। सिद्धांत, सच और व्यवस्था के आधारभूत मूल्यों को मटियामेट कर सामाजिक, राजनैतिक और धार्मिक स्तर पर कीमत वसूलने की ऐसी कोशिशों से बहुत नुकसान हो चुका है, अब इन मनसूंबों को कामयाब नहीं होने दिया जा सकता। सत्य को ढका जाता रहा है पर स्वीकारा नहीं गया। और जो सत्य के दीपक को पीछे रखते हैं वे मार्ग में अपनी ही छाया डालते हैं, भ्रम पालते हैं, झूठ एवं फरेब के सहारे गलत को सही ठहराने की कुचेष्ठा करते हैं।

शिवाजी की मृत्यु के बाद उनके बेटे संभाजी ने मराठा साम्राज्य को संभाला। उन्होंने स्वराज्य के संकल्प को ही आकार नहीं दिया बल्कि एक नवीन राज्य निर्मित किया एवं एक नवीन महत्तर महाराष्ट्र को पुनर्जीवित किया। मराठों में साहसिक वीरता, उत्कृष्ट सहनशीलता, घोर निराशा में आशा की भावना, आत्मविश्वास, उच्च आदर्शों के प्रति निष्ठा, श्रेष्ठ सैनिक नैतिक बल, आत्म बलिदान, राष्ट्रीय और देशप्रेम की उत्कृष्ट भावना जैसे गुण विकसित किए और इससे वे इतने शक्तिशाली हो गए कि आगामी 3 पीढ़ियों में वे उत्तरी भारत में विजेता के रूप में पहुंच गए। छत्रपति शिवाजी एवं उनके वंशज देश के अस्तित्व एवं अस्मिता को कुचलने की हर कोशिश को नाकाम करते रहे हैं।

औरंगजेब की क्रूरताएं सिर्फ दुश्मनों तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके शिकार उसके भाई और पिता भी हुए। इतिहासकार इरफान हबीब ने औरंगजेब की क्रूरता के अनेक किस्सों को उजागर करते हुए बताया कि मुगल सत्ता पाने की लालच में औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को जेल भिजवाया। फिर दारा शिकोह को जंग में हराया। हालांकि जंग हारने के बाद दारा मैदान छोड़कर भाग गया था। लेकिन औरंगजेब ने दारा को गिरफ्तार करवाया और षडयंत्र रचकर उसकी गर्दन कलम करवा दी। औरंगजेब सिर्फ दारा शिकोह की हत्या से खुश नहीं हुआ। उसने हत्या की बाद क्रूरता की हदें भी पार की। एक भाई के साथ ऐसी क्रूरता भारतीय इतिहास में देखने को नहीं मिलती। उसने दारा का कटा हुआ सिर जेल में बंद पिता को भेजा।

मुगल शासक औरंगजेब को लेकर महाराष्ट्र से शुरू हुई बयानबाजी की आंच समूचे देश मे पहुंच गयी है। हिन्दुओं में गहरा आक्रोश एवं रोष है। मांग उठ रही है कि मुगल सम्राट औरंगजेब को बर्बर शासक घोषित किया जाए और भारत में उसके नाम पर रखे गए सभी सड़कों और स्थानों के नाम बदलने के लिए गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाए। जैसाकि संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार ने ओसामा बिन लादेन और फ्रांसीसी व रूसी क्रांति के अवशेषों के साथ किया था। किसी भी राष्ट्र एवं समाज का निर्माण इतिहास के सच और ईमानदारी से ही बनता है। और यह सब प्राप्त करने के लिए ईमानदारी के साथ सौदा नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि यह भी एक सच्चाई है कि राष्ट्र, सरकार एवं समाज ईमानदारी से चलते एवं बनते हैं, न कि झूठे इतिहास से। सच को झुठलाना, सच को ढ़कना एवं सच की अनभिज्ञता संसार में जितनी क्रूर है, उतनी क्रूर मृत्यु भी नहीं होती। नया भारत-विकसित भारत-समृद्ध भारत को निर्मित करते हुए हमें हमारे गौरवपूर्ण सांस्कृतिक इतिहास को जीवंतता देनी होगी एवं हमारी संस्कृति एवं इतिहास को कुचलने वाले आक्रमणकारी शक्तियों के विकृत एवं विरूप चेहरों को बेनकाब करना होगा।

**– ललित गर्ग**
**लेखक, पत्रकार, स्तंभकार**

# बडगाम के शालिगनागा नाले में अवैध खनिज निष्कर्षण को रोकने के लिए कार्रवाई की गई-उपमुख्यमंत्री

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी ने सदन को बताया कि अवैध खनिज निष्कर्षण के खिलाफ निर्णायक कदम उठाते हुए, जिला खनिज अधिकारी बडगाम ने लानीलाब बसंत वुडर, बडगाम में शालिगनागा नाले में अनधिकृत खनन के लिए मेसर्स एनकेसी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है।

विधानसभा में विधायक खान साहब, सफीउद्दीन-भट्ट ने इस मुद्दे को उठाया और सदन के ध्यान में लाया। यह कार्रवाई 2 मार्च, 2025 को सोशल मीडिया पर एक वीडियो के प्रसारित होने के बाद की गई, जिसमें अवैध गतिविधि को उजागर किया गया था।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भूविज्ञान और खनन निदेशालय से रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद, डीएमओ बडगाम ने दावों की पुष्टि करने के लिए तुरंत एक टीम को साइट पर तैनात किया।

जांच के बाद, यह पुष्टि हुई कि कंपनी ने आवश्यक परमिट प्राप्त किए बिना लगभग 300 मीट्रिक टन नाला मुख के अनधिकृत निष्कर्षण के लिए लोगों और मशीनों को लगाया था। उन्होंने कहा कि जवाब में, मेसर्स एनकेसी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, बेसकैंप गुड्सथ्, बडगाम के परियोजना प्रबंधक को एक औपचारिक नोटिस (सं. डीएमओ/बडगाम/डीजीएम/एफ-106/4558-67, दिनांक 3 मार्च, 2025) जारी किया गया, जिसमें सभी अवैध खनन गतिविधियों को तत्काल बंद करने का निर्देश दिया गया और संबंधित दस्तावेज मांगे गए।

# अचाबल को तहसील का दर्जा देने का कोई प्रस्ताव नहीं-सकीना इत्तू

जम्मू

समाज कल्याण मंत्री सकीना इत्तू ने सदन को सूचित किया कि अचाबल को तहसील का दर्जा देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। मंत्री ने विधानसभा में विधायक अब्दुल मजीद लारमी द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से दते हुए यह बात कही। मंत्री ने बताया कि सरकार ने 09 नए उपमंडल, 50 नई तहसील और 99 नई नियाबतों के निर्माण को मंजूरी दी है और अचाबल को सरकारी आदेश संख्या त्मअ (एस) 242 ऑफ 2014 दिनांक 21.10.2014 के तहत उपमंडल के रूप में बनाया गया है। हालांकि, सरकारी आदेश संख्या 42 त्मअ (एस) 2018 दिनांक 20.02.2018 के अनुसार, सरकारी आदेश संख्या त्मअ (एस) 242 ऑफ 2014 दिनांक 21.10.2014 को अगले आदेश तक स्थगित रखा गया था, सिवाय कुपवाड़ा जिले में विलगाम और कलमाबाद, बारामुल्ला जिले में तहसील सिंहपोरा और नरवाव, डोडा जिले में तहसील भेला और रामबन जिले में तहसील रामसू में बनाई गई तहसीलों को छोड़कर। इसके बाद, सरकारी आदेश संख्या 42 त्मअ (एस) 2018 दिनांक 20.02.2018) को अंततः राज्य प्रशासनिक परिषद के निर्णय संख्या 191/19/2019 दिनांक 30.07.2019 द्वारा वापस ले लिया गया।

# सरकार ने जम्मू-कश्मीर में 498 लाभार्थियों को आवास के लिए 5 मरला भूमि आवंटित की, 442 विचाराधीन-ग्रामीण विकास मंत्री

ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री जावेद अहमद डार ने विधानसभा में एम.वाई. तारिगामी द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए आज कहा कि पीएमएवाई-जी की आवास प्लस श्रेणी के तहत लगभग 498 लाभार्थियों को आवास के लिए 5-5 मरला भूमि आवंटित की गई है, जबकि जम्मू-कश्मीर में राजस्व अधिकारियों के पास 442 मामले विचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा कि इसी तरह, योजना के तहत आठ लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पांच मरला भूमि आवंटित की गई है।

उन्होंने बताया कि जिन परिवारों के पास अपनी भूमि नहीं है, उन्हें पीएमएवाई के तहत आवासीय घरों के निर्माण के लिए 05 मरला भूमि प्रदान की जा रही है।

भूमि राजस्व विभाग द्वारा सत्यापन के अधीन प्रदान की जा रही है।

मंत्री ने बताया कि भूमिहीन पृष्ठभूमि के विस्तारित परिवारों को पात्रता और समय-समय पर जारी की जाने वाली योजना के दिशानिर्देशों के अधीन भूमि आवंटन के लिए विचार किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवजा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 जम्मू-कश्मीर में लागू है और मुआवजा उक्त अधिनियम की धारा 27 और धारा 30 की उपधारा (2) में निहित प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूमि प्रदाता को दिया जाने वाला मुआवजा बाजार दर से दोगुना है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह चार गुना है।

विधायकों जी. ए. मीर, शक्ति राज परिहार, बलवंत सिंह मनकोटिया, राजीव जसरोटिया, चैधरी मोहम्मद अकरम और मेहराज मलिक ने पूरक प्रश्न उठाए।

# कैंसर के उपचार और स्वास्थ्य ढांचे को उन्नत किया जा रहा है: सकीना इटू

स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने आज कहा कि जम्मू-कश्मीर में कैंसर की पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य ढांचे को उन्नत किया जा रहा है।

मंत्री विधानसभा में तनवीर सादिक के एक प्रश्न का उत्तर दे रही थीं।

उन्होंने कहा कि जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री के अनुसार, 2018-2024 के बीच कश्मीर संभाग में 50551 मामले और जम्मू संभाग में 13912 मामले दर्ज किए गए।

उन्होंने कहा कि हर साल 2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत मामलों में वृद्धि भी देखी जाती है।

मंत्री ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में कैंसर रोगियों को स्किम्स श्रीनगर और जीएमसी जम्मू में विशेष उपचार दिया जाता है, जिसमें स्किम्स में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, क्रिटिकल केयर आईसीयू, न्यूरो आईसीयू, सीवीटीएस आईसीयू, पल्मोनरी आईसीयू और पीडियाट्रिक आईसीयू सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज, जम्मू वर्तमान में कैंसर रोगियों को ओपीडी सेवाएं, कीमोथेरेपी, पीईटी सीटी स्कैन, ब्रेकीथेरेपी, रेडियोलॉजी टेस्ट, डिजिटल रेडियोग्राफी और कोल्पोस्कोपी प्रदान कर रहा है।

मंत्री ने कहा कि स्किम्स सौरा में राज्य कैंसर संस्थान कार्यात्मक है, जिसे 05 दिसंबर, 2020 को चालू किया गया है, जिसमें मेडिकल ऑन्कोलॉजी रोगियों के लिए डे केयर सुविधा, क्लिनिकल हेमटोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी और इन-पेशेंट के लिए रेडिएशन ऑन्कोलॉजी हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य कैंसर संस्थान, स्किम्स की तीसरी मंजिल अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सुविधा के स्थानांतरण के लिए तैयार है और विभाग में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए जनशक्ति की भर्ती प्रगति पर है।

उन्होंने कहा कि कैंसर रोगियों के लिए समर्पित ऑपरेशन थियेटर का संचालन स्किम्स सौरा में किया जा रहा है, जो बहुत जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि राज्य कैंसर संस्थान, जम्मू में 03 ऑपरेशन थियेटर और 10 बिस्तरों वाले आईसीयू का काम पूरा होने वाला है और मार्च, 2025 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि कैंसर देखभाल को विकेंद्रीकृत करने के प्रयास जारी हैं, जो जिला दिवस केंद्रों में कीमोथेरेपी के माध्यम से काफी हद तक पूरा हो चुका है।

मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने जम्मू और कश्मीर के सभी 20 जिलों में कैंसर देखभाल की स्थापना करके कैंसर को विकेंद्रीकृत करने की पहल की है।

# जावेद राणा ने जेपीएस के जूनियर ग्रेजुएशन डे में भाग लिया

## छात्रों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक सतर्कता पैदा करने का आह्वान किया

जम्मू

जल शक्ति, वन पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जोधामल पब्लिक स्कूल के प्री-प्राइमरी ग्रेजुएशन डे में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने जूनियर छात्रों को बधाई दी तथा उनकी उपलब्धियों का श्रेय उनकी कड़ी मेहनत और उनके शिक्षकों के समर्पण को दिया।

उन्होंने शिक्षा के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह किसी व्यक्ति की क्षमता को उजागर करने की कुंजी है, जिससे वे महान और प्रभावशाली नेता बन सकते हैं।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा ''ये युवा स्नातक हमारे देश का भविष्य हैं, जो आशाओं और अनंत संभावनाओं से भरे हैं।''

उन्होंने बच्चों से सवाल पूछते रहने, नए विचारों की खोज करने और खुद पर विश्वास करने का आह्वान किया।

राणा ने बेहतर समाज बनाने के लिए बच्चों में शारीरिक फिटनेस, मानसिक सतर्कता और आध्यात्मिक उच्चता पैदा करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल अधिकारियों को अपने छात्रों में इन गुणों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया, युवा दिमाग को आकार देने में स्कूली शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता दी।

बच्चे के विकास में माता-पिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, राणा ने कहा कि उनका प्रोत्साहन, मार्गदर्शन, समर्थन और त्याग बच्चे के शुरुआती वर्षों को बेहतर बनाने में एक अमूल्य भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने युवा दिमागों को पोषित करने में स्कूल के प्रयासों की सराहना की, उन्हें जिम्मेदार और सक्षम व्यक्तियों के रूप में विकसित करने में निवेश की गई कड़ी मेहनत, समर्पण और प्यार को स्वीकार किया।

उन्होंने कहा, ''एक मजबूत नींव रखने में स्कूल प्रबंधन द्वारा किए गए समर्पित प्रयास इन बच्चों को जिम्मेदार और सक्षम व्यक्ति बनने में मदद करेंगे।''

जोधामल पब्लिक स्कूल की जम्मू और कश्मीर में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठा है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए प्रसिद्ध है।

इस कार्यक्रम में स्कूल के ट्रस्टी, प्रबंधन, शिक्षक, छात्र, अभिभावक और नागरिक समाज के सदस्य शामिल हुए।

# सभी अनावश्यक अनुपालनों की पहचान कर उन्हें समाप्त किया जाए–मुख्य सचिव

## यहां मौजूद एमएसएमई के डिजिटलीकरण के भी निर्देश दिए

जम्मू

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने नागरिकों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सुविधा के लिए सरकारी विभागों में मौजूद सभी अनावश्यक अनुपालनों की पहचान करने और उन्हें समाप्त करने के निर्देश दिए।

अटल डुल्लू ने यह बात केंद्र शासित प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार सुधार कार्य योजना 2024 को लागू करने में विभिन्न विभागों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए की।

इस बैठक में जल शक्ति विभाग के एसीएस, वन विभाग के आयुक्त सचिव, आईएंडसी के आयुक्त सचिव, एफसीएसएंडसीए के आयुक्त सचिव, आरडीडी के सचिव, जेएमसी के आयुक्त, जम्मू के आईएंडसी के निदेशक के अलावा अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने विभागों को व्यवसायों और नागरिकों पर अनावश्यक अनुपालन बोझ की पहचान करने और उसे जल्द से जल्द समाप्त करने का निर्देश दिया।

उन्होंने व्यापक विश्लेषण और योग्यता के आधार पर कार्रवाई के लिए फीडबैक एकत्र करने के लिए हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्णय लेने की प्रक्रिया में समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए दोनों संभागों में सभी संबंधित नागरिकों और अन्य हितधारकों के साथ अलग-अलग फीडबैक सत्र आयोजित करने की सलाह दी।

एक संरचित दृष्टिकोण के महत्व को पहचानते हुए, अटल डुल्लू ने उद्योग और वाणिज्य विभाग को विनियमन के लिए विभागवार सुझाव संकलित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी पुराने नियमों को हटाने का उद्देश्य हमारे व्यवसायों और नागरिकों पर अनुपालन बोझ को कम करना होना चाहिए।

सिंगल विंडो सिस्टम की समीक्षा करते हुए, मुख्य सचिव ने यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया कि सिस्टम के तहत सभी सेवाएं एक निर्धारित समय सीमा के भीतर डिजिटल रूप से प्रदान की जाती हैं। उन्होंने विभाग को यह विश्लेषण करने का निर्देश दिया कि क्या सेवाएं बैकएंड पर ऑनलाइन या ऑफलाइन उपलब्ध हैं और इस प्रणाली को मूल उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उपयोगी बनाने के लिए सिफारिशों के साथ एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, डुल्लू ने विभाग को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से संबंधित डेटा के डिजिटलीकरण में तेजी लाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने इस प्रक्रिया की देखरेख और इसमें तेजी लाने के लिए जम्मू के उद्योग निदेशक को नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आह्वान किया।

मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि इस पहल में व्यापार विवरण, कार्यशील पूंजी, ऋण पोर्टफोलियो, लेन-देन, जनशक्ति और मशीनरी सहित प्रमुख व्यावसायिक पहलुओं का व्यापक दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह विश्लेषणात्मक डेटा सरकार को जम्मू-कश्मीर में एमएसएमई क्षेत्र को मजबूत करने के लिए समय पर सहायता, ऋण लिंकेज और नीतिगत हस्तक्षेप प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।

इससे पहले, आयुक्त सचिव, आईएंडसी, विक्रमजीत सिंह ने बैठक में बीआरएपी 2024 कार्यान्वयन में यूटी की प्रगति के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों में 434 सुधार बिंदुओं में से 424 को सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जबकि शेष 10 को 15 मार्च की सूर्यास्त तिथि से पहले पूरा करने की योजना है।

उन्होंने आगे कहा कि सभी आवश्यक साक्ष्य राष्ट्रीय पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं, और उपयोगकर्ता प्रतिक्रिया के आधार पर अंतिम मूल्यांकन डीपीआईआईटी द्वारा किया जाएगा, जिसके परिणाम अप्रैल 2025 में आने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा विकसित और वितरित व्यापार सुधार कार्य योजना का उद्देश्य व्यापार विनियमों को सरल बनाना और किए गए सुधारों के आधार पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का मूल्यांकन करके पूरे भारत में अधिक व्यापार-अनुकूल वातावरण बनाना है।

वर्ष 2015 में इसकी शुरुआत से अब तक छह संस्करण पूरे हो चुके हैं और ठताच् 2024, ठताच़ और त्ब्ढ़ के साथ इसका सातवां संस्करण है जो 15 मार्च, 2025 तक पूरे भारत के सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में समाप्त होने जा रहा है।

# एसबीएम (यू) कार्य योजना के तहत प्रत्येक परियोजना के लिए समयसीमा तय करें-मुख्य सचिव

## सभी शहरों के लिए एक लागू कार्ययोजना तैयार करने के लिए विभाग की सराहना की

जम्मू

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) के तहत तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को इस योजना के तहत प्रस्तावित प्रत्येक परियोजना के लिए समयसीमा तय करने के लिए कहा।

आयुक्त सचिव, एचएंडयूडीडी के अलावा बैठक में जेके प्रदूषण नियंत्रण समिति के अध्यक्ष, ग्रामीण स्वच्छता महानिदेशक और एसबीएम-शहरी के एमडी के साथ-साथ अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने 2035 तक उत्पन्न होने वाले अनुमानित कचरे के प्रबंधन के लिए प्रस्तावित कार्यों की घटकवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार तैयार की गई कार्ययोजना लागू करने योग्य है, इसलिए इसके सफल कार्यान्वयन के लिए समयसीमा निर्धारित करने के लिए आगे की विचार प्रक्रिया की आवश्यकता है।

उन्होंने राजधानी शहरों के साथ-साथ प्रत्येक यूएलबी में उत्पन्न होने वाले कचरे की मात्रा पर ध्यान दिया। उन्होंने यहां उत्पन्न होने वाले प्रत्येक प्रकार के कचरे के प्रभावी उपचार और प्रबंधन के लिए एक अंतिम समाधान की मांग की।

डुल्लू ने कहा कि इस तरह की महत्वपूर्ण गतिविधि के लिए धन कभी भी बाधा नहीं बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित लागत अगले कुछ वर्षों में व्यवस्थित की जाने वाली सीमा के भीतर है। उन्होंने विभाग को इन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए अपनी क्षमता बढ़ाने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि विरासती अपशिष्ट, ठोस अपशिष्ट, ग्रे वाटर, प्रयुक्त जल, प्लास्टिक अपशिष्ट और निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के उपचार की सुविधाओं के अलावा विभाग को ऐसे अपशिष्ट को उनके उपचार और प्रसंस्करण के स्थलों तक ले जाने के लिए एकीकृत सीवरेज नेटवर्क को शामिल करने पर भी विचार करना चाहिए।

इसके अलावा, मुख्य सचिव ने उन्हें अमृत 2.0 के दिशानिर्देशों के अनुसार जहां भी संभव हो, इसके तहत परियोजनाएं शुरू करने के विकल्प तलाशने को कहा। उन्होंने उन परियोजनाओं को कैपेक्स के तहत शामिल करने का भी सुझाव दिया जहां गतिविधि का समर्थन करने के लिए कोई अन्य योजना नहीं है।

बैठक में बोलते हुए आवास एवं शहरी विकास विभाग की आयुक्त सचिव मनदीप कौर ने कहा कि यह कार्ययोजना एनजीटी के निर्देशों के अनुरूप है, साथ ही अगले 10 वर्षों के लिए शहरी कचरे के वैज्ञानिक निपटान के लिए एक रोडमैप भी है। उन्होंने बताया कि कार्ययोजना को जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर और इस जनसंख्या द्वारा प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले संभावित कचरे को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस अद्यतन योजना को तैयार करते समय प्रसंस्करण, उपचार और निपटान के अन्य पहलुओं के अलावा विरासत कचरे के उपचार पर भी विचार किया गया है।

एसबीएम (यू) के एमडी देवांश यादव ने बैठक में बताया कि उम्मीद है कि 2035 तक यूटी के शहरी क्षेत्रों की आबादी लगभग 51.50 लाख तक पहुंच जाएगी, जिससे 2481 टीपीडी कचरा उत्पन्न होगा। उन्होंने प्रत्येक शहरी स्थानीय निकाय और छावनी बोर्ड को उत्पन्न होने वाले कचरे की मात्रा के अनुसार अलग करने और 2035 तक इसके प्रबंधन के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी उल्लेख किया।

उन्होंने नगर निगमों, जम्मू/कश्मीर के शहरी स्थानीय निकायों और जम्मू और श्रीनगर दोनों में छावनी बोर्डों में मौजूदा सुविधाओं का विवरण प्रस्तुत किया। बैठक में घर-घर जाकर कचरे के संग्रह और परिवहन के लिए आवश्यक सुविधाओं से भी अवगत कराया गया। यूटी की विभिन्न नगर पालिकाओं और शहरों के समूहों के तहत प्रस्तावित नगर पालिकाओं में इसके प्रसंस्करण के साथ-साथ इन सभी वर्षों के लिए परिसंपत्तियों के संचालन और रखरखाव की लागत का भी खुलासा किया गया।

विरासत में मिले कचरे के बारे में कहा गया कि नगर निकायों द्वारा कुल 26,11,102 मीट्रिक टन कचरे की सूचना दी गई है। इसमें से 3,91,604 मीट्रिक टन का पहले ही उपचार किया जा चुका है और शेष 22,19,498 मीट्रिक टन को इस योजना के तहत उपचारित करने की आवश्यकता है, जिसके लिए अधिकांश स्थानों पर कार्य आवंटित किए जा चुके हैं या निविदाएं जारी की जा चुकी हैं। बैठक में ठोस, तरल, आईएसडब्ल्यूएम, प्लास्टिक और विरासती कचरे के प्रबंधन के लिए विभिन्न मॉडलों पर चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया कि सभी 75 यूएलबी के लिए विस्तृत अनुमान तैयार करने के लिए पीडीएमसी को काम पर रखने के लिए निविदा जारी की गई है और इस उद्देश्य के लिए 4 उत्तरदायी बोलियां प्राप्त हुई हैं।

## जम्मू-कश्मीर में 9 टाउनशिप की स्थापना के लिए 1298.28 कनाल भूमि की पहचान की गई-सकीना इत्तू

### डीपीआर तैयार होने के बाद लाभार्थियों का विवरण दिया जाएगा

जम्मू

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में 09 टाउनशिप की स्थापना के लिए 1298.28 कनाल भूमि की पहचान की गई है।

मंत्री ने विधानसभा में वहीद उर रहमान पारा द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से देते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि इन टाउनशिप की स्थापना का उद्देश्य अनियोजित शहरी विस्तार को रोकना और जम्मू-कश्मीर के लोगों की आवास संबंधी जरूरतों को पूरा करना है।

विवरण साझा करते हुए, मंत्री ने सदन को बताया कि पदगामपुरा पुलवामा, वाटापोरा बांदीपोरा, भलवाल जम्मू, चंग्रान कठुआ, छतरहामा श्रीनगर, बाकूरा गंदेरबल, चकभलवाल जम्मू, चैधी जम्मू और पुंछ जिले के कनुइयन में नौ आवासीय कॉलोनियां स्थापित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि लाभार्थियों का विवरण डीपीआर तैयार होने के बाद निर्धारित किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि श्रीनगर विकास प्राधिकरण ने राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास बेमिना श्रीनगर (राखी गुंड मार्ग) के साथ राज्य भूमि की पहचान की है और जम्मू विकास प्राधिकरण ने जम्मू और कश्मीर के लोगों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिधड़ा, जम्मू में भूमि की पहचान की है।

मंत्री ने एक अनुपूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि किसी भी निर्माण कार्य को करते समय सभी पारिस्थितिक मुद्दों को ध्यान में रखा जाएगा।

## जिला विकास परिषद के अध्यक्षों के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू।

जिला विकास परिषद के अध्यक्षों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की और अपने-अपने जिलों के विभिन्न विकास मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में कर्नल महान सिंह (सेवानिवृत्त) अध्यक्ष, डीडीसी कठुआ, केशव दत्त शर्मा, अध्यक्ष, डीडीसी, सांबा, भारत भूषण, अध्यक्ष, डीडीसी, जम्मू, श्री लाल चंद, अध्यक्ष, डीडीसी उधमपुर, श्री धनंतर सिंह कोतवाल, अध्यक्ष, डीडीसी, डोडा और श्री सूरज सिंह, उपाध्यक्ष डीडीसी जम्मू शामिल थे।

## शक्ति उद्घोष फाउंडेशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू।

शक्ति उद्घोष फाउंडेशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने अपनी संयोजक प्रीति चैधरी के नेतृत्व में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस से पहले शक्ति उद्घोष फाउंडेशन द्वारा जम्मू-कश्मीर में आयोजित नशा मुक्त सीमाएं के लिए महिला बाइक अभियान के बारे में जानकारी दी। उपराज्यपाल ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ कार्रवाई में तेजी लाने के लिए समर्पित उनके साहसी प्रयासों के लिए महिला बाइकर्स और फाउंडेशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई दी और उनकी सराहना की। देश के विभिन्न हिस्सों से अठारह महिला बाइकर्स ने जीरो-बॉर्डर लाइन क्षेत्र के साथ यात्रा की। इस यात्रा में कठुआ से पुंछ तक खाई-सह-बांध, अंतर्राष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा के पार के क्षेत्रों को शामिल किया गया।

## जनता दल यूनाइटेड के प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू।

जनता दल यूनाइटेड के एक प्रतिनिधिमंडल ने जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष जी.एम. शाहीन के नेतृत्व में आज उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की।

# उपमुख्यमंत्री ने सड़क संपर्क की आधारशिला रखी, खनन स्थलों का निरीक्षण किया, पर्यावरण स्थिरता पर जोर दिया

## खनन करते समय पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखने पर जोर दिया

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने के अलावा बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने यह बात संतोख विहार से कुंजवानी में सड़क परियोजना और संबद्ध संपर्कों की आधारशिला रखते हुए स्थानीय लोगों से बातचीत करते हुए कही।

यह सड़क क्षेत्र में रहने वाली बड़ी आबादी की संपर्क संबंधी चिंताओं को दूर करेगी और इसका निर्माण आर एंड बी विभाग द्वारा किया जा रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने चट्ठा में 12.67 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाए जा रहे भैंस फार्म के काम की गति का भी निरीक्षण किया। परियोजना को पूरा करने के लिए निर्धारित समय 2 वर्ष है।

उपमुख्यमंत्री ने प्रगति का आकलन करने और किसी भी बाधा को दूर करने के लिए चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

उपमुख्यमंत्री के साथ डीआईक्यूसी अधिकारियों की एक टीम भी थी, जिसने निर्माणाधीन परियोजना के निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री का मौके पर जाकर मूल्यांकन किया। बुनियादी ढांचे के विकास के अलावा, उपमुख्यमंत्री चौधरी ने पर्यावरण मानदंडों के पालन का मूल्यांकन करने के लिए कई खनन स्थलों का दौरा किया। उन्होंने जिम्मेदार खनन प्रथाओं के महत्व पर जोर दिया, अधिकारियों और हितधारकों से संसाधनों का दोहन करते समय पारिस्थितिक संतुलन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

उन्होंने अपने निरीक्षण के दौरान कहा, ''सरकार सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है, और सभी परियोजनाओं को क्षरण को रोकने के लिए पर्यावरण नियमों के अनुरूप होना चाहिए।'' उन्होंने अधिकारियों को अवैध खनन के खिलाफ सख्त कदम उठाने और जहां भी आवश्यक हो सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

इस यात्रा में स्थानीय निवासियों और अधिकारियों के साथ बातचीत भी शामिल थी, जहां उन्होंने उन्हें उनकी चिंताओं को दूर करने और जिम्मेदार तरीके से विकासात्मक पहलों को गति देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

इस यात्रा के दौरान उनके साथ प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, डीएमओ जम्मू, आरएंडबी विभाग के अधिकारी भी थे।

## HELP LINE

| Important Telephone Nos. | |
|---|---|
| Civil Secretariat | 2547365-69 |
| Jammu University | 2435259,2435248 |
| RRL, Jammu | 2544382, 2549051 |
| Army | 2432453, 2432653 |
| Municipality Jn. Lines | 2578503, 18001803333 |
| Passport Office | 2433359 |
| **Postal Services** | |
| H.P.O. City | 2543606 |
| Gandhi Nagar | 2435863 |
| **Fire Services** | |
| City | 2544263 |
| Gandhi Nagar | 2457705 |
| Canal | 2554064 |
| Gangyal | 2480026 |
| **Cooking Gas dealers** | |
| Chenab Gas | 2547633 |
| Gulmour Gas | 2430835 |
| H.P. Gas | 2578456 |
| Jakfed | 2548297 |
| Shivangi Gas | 2577020 |
| Tawi Gas | 2548455 |
| **Power House** | |
| Gandhi Nagar | 2430180 |
| Canal Road | 2554147 |
| Janipur | 2533359 |
| Nanak Nagar | 2430776 |
| Parade | 2542289 |
| Satwari (Jammu Cantt.) | 2452813 |
| **City Hospitals** | |
| G.M.C Jammu | 2584290, 91. 94, 2584211, 25 |
| GMC Causality | 2575364 |
| S.M.G.S. Jmu | 2547635, 258477 |
| Govt. Hosp. G. Nagar | 2430041,2431740 |
| Dental Hospital Jmu | 2544670 |
| Psychiatric Disease Hos. | 2577444 |
| Ascoms Sidhra | 262251, 262267, 262536, 39 |
| B.N. Charitable | 2555631, 2505310 |
| Vivekanand Hospital | 2547418 |
| G.B. Pant Hosp. Satwari | 2433500 |
| Military Hospital Sat. | 2435572 |
| **Police Station, Jammu City** | |
| Bagh-e-Bahu | 2459777 |

| | |
|---|---|
| Bakshi Nagar | 2580102 |
| Bus Stand | 2566499 |
| City | 2543688 |
| Gandhi Nagar | 2430528 |
| Gangyal | 2481204 |
| Nowabad | 2565274 |
| Pacca Danga | 2448610 |
| Railway Station | 2472870 |
| Saink Colony | 2468666 |
| Satwari | 2430364 |
| Channi Himmat | 2465164 |
| Transport Nagar | 2475444 |
| Trikuta Nagar | 475133, 2470679 |
| G. Nagar | 2459660 |
| S.S.P. City | 2547807 |
| S.P. South | 2433778 |
| SSP TRAFFIC JAMMU | 0191-2578774 |
| Police Control Room | 100 |
| **Airlines** | |
| Air Port | 2450520,21,2430449 |
| Indian Airlines | 2574312 |
| Spice Jet | 2431887 |
| Go Air | 2435668 |
| Kingfisher | 2432651 |
| Jet Airways | 2453999 |
| **Railways** | |
| Railway Enquiry | 131,132,2476407 |
| Booking | 2470318 |
| Reservation | 2470315 |
| **Telecom Department** | |
| Directory Enquiry | 197 |
| Fault Repair | 180 |
| Billing Complaint | 2543896 |
| Trikuta Nagar Exchange | 2470000 |
| **Raj Bhawan Jammu** | |
| H.E THE GOVERNOR, J&K | 2560225 |
| PVT. SECY. TO H.E.G 2544939/2560225/2452201 | |
| **CHIEF MINISTER'S SECRETARIAT JAMMU** | |
| CM | 2546766/2560203 |
| PRINCIPAL SECY. TO C.M | 2544017/2542159 |
| ADVISOR TO C.M | 2560239 |
| PVT. SECY. TO C.M | 2546466/2540421 |

| CREMATION-SMITI SERVICES JAMMU | |
|---|---|
| SEWA-SAMITI (HEAD OFFICE) 2573905 | |
| **COURIER SERVICE** | |
| BLUE DART | 2432806 |
| DHL | 94191-90329 |
| AHL | 94191-90329 |
| LINKER COURIER | 94191-88398 |
| JUST CALL INFO | 2476060 |
| NATIONAL HELP DESK CALL | 094192-22222 |
| FAROOQ JI (SECRETARY TO ADGP) | 9149598407 |
| CHIEF ENGINEER PWD JAMMU | 0191-2471788 |
| CHIEF ENGINEER PHE JAMMU | 0191-2547586, 2544356 |
| CHIEF ENGINEER PDD JAMMU | 0191-2545061 |
| DC OFFICE JAMMU | 0191-2544366 |
| RAILWAY ENQUIRY | 1800111321 |
| AIRPORT ENQUIRY JAMMU | 0191-2437843 |
| ISBT ENQUIRY JAMMU | 0191-2435262 |
| RTO JAMMU | 0191-2472490 |
| SHARAT CHANDER KHAJURIA AN INTERNATIONAL ACADEMIC SCHOLAR | 9419127999 |
| PROF. (DR.) KESHAV SHARMA VICE-CHANCELLOR THE ICFAI UNIVERSITY HIMACHAL PRADESH | 9469211211 |
| SANJAY GANDOTRA DEFENCE BUSINESS CONSULTANT | 6006619429 |
| ANIL KAPAHI BUSINESS TYCOON AND SECRETARY AMAR SINGH CLUB | 9419199999 |
| KULDEEP KAUL INTERNATIONAL BUSINESS TYCOON | 9811156926 |
| BHUPINDER SINGH (IAS) COMMISSIONER HEALTH SERVICES | 94190112477 |
| BRIJ MOHAN SHARMA CHIEF CONSERVATOR FOREST UDHAMPUR | 9419144300 |
| S. OPINDERJEET SINGH (KAS) FINANCE DIRECTOR PDD | 9419019026 |
| DR. ASHOK VAID (ONCOLOGIST) DIRECTOR MADANTA HOSPITAL | 9810212235 |
| DR. KULBUSHAN GUPTA HOD RADIOLOGY | 9419190360 |
| GROUP CAPT. KULOWANT SINGH | 7889794904 |
| COL PRITHVIRAJ | 9419281250 |
| DR. RAJESH SINGH (VET DOCTOR, CAMEL EXPERT, WORKING WITH SHEIKHS) DUBAI | +971567237345 |
| COL. BRIJ BHUSHAN SINGH | 8130702061 |

# उपराज्यपाल ने जम्मू में हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित तवी महोत्सव का उद्घाटन किया

**हमें प्रौद्योगिकी और कला के बीच एक अच्छा संतुलन बनाने की आवश्यकता हैः एलजी सिन्हा**

**विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने नई सुविधाएं प्रदान की हैं और मानव समाज के काम करने और रहने के तरीके को फिर से परिभाषित किया है। लेकिन आधुनिक उपकरण कला और संस्कृति की समृद्ध और जीवंत परंपरा के बिना अधूरे हैंः एलजी**

**कला और संस्कृति से समाज का आर्थिक विकास होता हैः एलजी सिन्हा**

**कला एक प्रबुद्ध समाज के निर्माण और मूल्य प्रणाली और रचनात्मकता वाले नागरिकों के विकास में मदद करने के लिए आवश्यक तत्व हैः एलजी**

**एक समृद्ध और शांतिपूर्ण दुनिया के लिए कला और संस्कृति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी विज्ञान और प्रौद्योगिकीः एलजी सिन्हा**

**स्थायी विकास के लिए हमें अधिक रचनात्मक नेताओं की आवश्यकता हैः एलजी**

**हमारी सभ्यता को जीवंत बनाने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए आविष्कारों की भूमिका अतुलनीय है। इसलिए मेरा मानना है कि समाज को वैज्ञानिकों के साथ-साथ कलाकारों और अध्यात्मवादियों की भी जरूरत हैः एलजी**

**एलजी ने इस अनोखे महोत्सव के आयोजन के लिए हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट की सराहना की, तथा कला, साहित्य और इतिहास में नए विचारों को साझा करने और उजागर करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और चिकित्सकों को एक साथ लाने का काम किया**

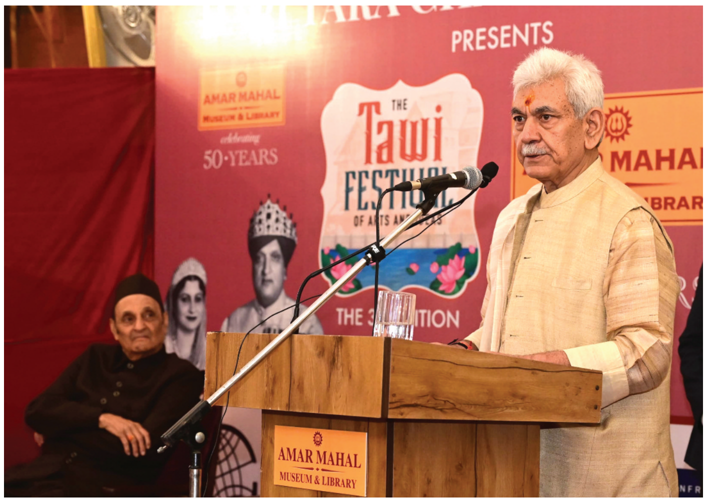


जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अमर महल पैलेस, जम्मू में हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित तवी महोत्सव के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम के साथ अमर महल संग्रहालय एवं पुस्तकालय के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती समारोह की भी शुरुआत हुई।

अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने डॉ. करण सिंह और हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट से जुड़े सभी लोगों को इस अनूठे महोत्सव के आयोजन और कला, साहित्य और इतिहास में नए विचारों को साझा करने और उजागर करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों और चिकित्सकों को एक साथ लाने के लिए बधाई दी।

उपराज्यपाल ने समाज में बदलाव लाने और वैश्विक ज्ञान मंचों को समृद्ध करने में कलाकारों और साहित्यकारों के बहुमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला।

उपराज्यपाल ने कहा, ÷कला एक प्रबुद्ध समाज के निर्माण और मूल्य प्रणाली और रचनात्मकता के साथ नागरिकों के विकास में मदद करने के लिए आवश्यक तत्व है। कला और संस्कृति एक समृद्ध और शांतिपूर्ण दुनिया के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी जितनी ही महत्वपूर्ण है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी ने नई सुविधाएं प्रदान की हैं और मानव समाज के काम करने और रहने के तरीके को फिर से परिभाषित किया है। लेकिन आधुनिक साधन कला और संस्कृति की समृद्ध और जीवंत परंपरा के बिना अधूरे हैं। हमें प्रौद्योगिकी और कला के बीच एक अच्छा संतुलन बनाने की जरूरत है। हमारी सभ्यता को जीवंत बनाने में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नए आविष्कारों की भूमिका अतुलनीय है। इसलिए मेरा मानना है कि समाज को वैज्ञानिकों के साथ-साथ कलाकारों और अध्यात्मवादियों की भी जरूरत है।

उपराज्यपाल ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'विकास भी विरासत भी' के संकल्प के साथ काम करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

उन्होंने स्थानीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और पारंपरिक ज्ञान पर आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में कलाकारों और बुद्धिजीवियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उपराज्यपाल ने कहा, ÷समाज का आर्थिक विकास कला और संस्कृति से संचालित होता है। सतत विकास के लिए हमें और अधिक रचनात्मक नेताओं की आवश्यकता है। युवा पीढ़ी को हमारी संस्कृति और मूल्यों से जोड़ने के हमारे प्रयासों को और गहरा किया जाना चाहिए।÷

उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर की कलात्मक, सांस्कृतिक और भाषाई विरासत की समृद्ध विविधता और विशिष्टता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए समर्पित उपायों को भी साझा किया।

इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरि तारा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. करण सिंह; ट्रस्ट के ट्रस्टी और सदस्य तथा विक्रमादित्य सिंह, अजातशत्रु सिंह, डॉ. ज्योत्सना सिंह, सुश्री रितु सिंह, मार्तंड सिंह सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्ति, पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी और प्रसिद्ध कलाकार उपस्थित थे।

## विधानसभा में प्रश्नकाल

# पुंछ-तंगमर्ग सड़क परियोजना पर नए सिरे से सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ विचार किया जाएगाः उपमुख्यमंत्री

जम्मू

उपमुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चैधरी ने कहा कि पुंछ-तंगमर्ग सड़क परियोजना पर नए सिरे से केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) के साथ विचार किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री फारूक अहमद शाह द्वारा उठाए गए प्रश्न तथा उसके बाद एजाज जान और मोहम्मद अकरम चैधरी द्वारा उठाए गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोरन होते हुए पुंछ-तंगमर्ग सड़क को भारत सरकार द्वारा मंजूरी नहीं दी गई है।

सड़क के संरेखण में परिवर्तन के संबंध में विधायकों द्वारा उठाई गई चिंताओं का समाधान करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क परिवर्तन के मुद्दे को हल करने के लिए इस मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि संबंधित अधिकारियों और प्राधिकारियों के साथ मामले को देखने के लिए एक समिति भी गठित की जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि यह पीर-पंजाल को कश्मीर घाटी से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण सड़क है और इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस सड़क का दोनों क्षेत्रों के लोगों के लिए सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व है।

# किश्तवाड़ में राष्ट्रीय केसर मिशन के तहत 50 हेक्टेयर केसर भूमि का कायाकल्प किया गयाः कृषि मंत्री

## जैविक खेती, वैकल्पिक कृषि खेती को बढ़ावा देने के लिए 9 जैविक क्लस्टर

कृषि मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि राष्ट्रीय केसर मिशन के तहत किश्तवाड़ जिले में 19989.03 मरला (50 हेक्टेयर) क्षेत्र का कायाकल्प किया गया है।

मंत्री विधानसभा में सुनील कुमार शर्मा द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे, उन्होंने कहा कि विभिन्न घटकों के तहत किसानों को वित्तीय और तकनीकी सहायता दी गई है।

मंत्री ने कहा कि 19989.03 मरला (50 हेक्टेयर) क्षेत्र के कायाकल्प के लिए 5465 लाभार्थियों को केसर कंद के लिए वित्तीय सहायता दी गई और किसानों को 1265 रुपये प्रति मरला की दर से कुल 252.86 लाख रुपये की सब्सिडी दी गई।

उन्होंने बताया कि केसर खाद इकाई के लिए 100 लाभार्थियों को 30 लाख रुपये की सब्सिडी दी गई, जबकि पावर टिलर/वीडर के लिए 48 लाभार्थियों को 24 लाख रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई। मंत्री ने बताया कि केसर पर राष्ट्रीय मिशन के तहत दस किसान प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए और लगभग 250 किसानों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया, जिस पर प्रति व्यक्ति 750 रुपये का खर्च आया।

मंत्री ने सदन को बताया कि 03 एफपीओ तैयार किए गए हैं और वे देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न ई-मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के साथ-साथ विभिन्न क्रेता-विक्रेता बैठकों के माध्यम से केसर प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन में काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए परम्परागत कृषि विकास योजना और वैकल्पिक कृषि के तहत कुल 09 जैविक क्लस्टर स्थापित किए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि इन क्लस्टरों में जैविक क्लस्टर पोछाल बी2, जैविक क्लस्टर गलहर, जैविक क्लस्टर गढ़, जैविक क्लस्टर लिगरी, जैविक क्लस्टर हमीन्द्रावन, जैविक क्लस्टर तियारी, जैविक क्लस्टर इश्तियारी, जैविक क्लस्टर करथई और जैविक क्लस्टर लैडर शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक जैविक क्लस्टर में 20 हेक्टेयर क्षेत्र के साथ 50 किसान शामिल हैं और इन क्लस्टरों के तहत भागीदारी गारंटी योजना पोर्टल पर 450 किसानों को पंजीकृत किया गया है और उन्हें 180 हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक इनपुट प्रदान किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए इन क्लस्टरों में जागरूकता शिविर भी आयोजित किए गए हैं।

# उपराज्यपाल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की 74वीं बैठक की अध्यक्षता की

## दर्शनी देवड़ी, बाणगंगा और अर्धकुंवारी में तीर्थयात्रियों के लिए विशेष सुविधाओं का उद्घाटन किया

जम्मू

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राजभवन में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड की 74वीं बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में बोर्ड के सदस्य महामंडलेष्वर स्वामी विष्वेष्वरानंद गिरिजी महाराज, श्री बालेष्वर राय, डॉ. अशोक भान, डॉ. नीलम सरीन, के.के. शर्मा, सुरेश कुमार शर्मा और रघु के. मेहता शामिल हुए।

उपराज्यपाल के प्रधान सचिव डॉ. मंदीप के. भंडारी और एसएमवीडीएसबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अंशुल गर्ग भी बैठक में शामिल हुए।

माननीय उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की बैठक में पिछले निर्णयों की व्यापक समीक्षा की गई, अपनी पिछली बैठक के बाद की गई कार्रवाइयों की पुष्टि की गई और 20 प्रमुख एजेंडा बिंदुओं के संबंध में कई नए निर्णय लिए गए, जिनका बोर्ड के कामकाज और तीर्थयात्रियों की सेवाओं को बढ़ाने पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

बोर्ड की नई और चल रही परियोजनाओं के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिनमें भवन में मनोकामना क्षेत्र का निकास मार्ग और पुनर्निर्माण (भवन क्षेत्र के लिए मास्टर प्लान का एक हिस्सा), कटरा के हट्ट गांव में श्री शिव खोड़ी श्राइन बोर्ड के सहयोग से हेलीपैड का विकास, भवन में नया वैष्णवी भवन, कॉटेज (खेल स्टेडियम के पास), कटरा, सांझीछत से भवन तक यात्रा ट्रैक को चौड़ा करना और ककरयाल में बोर्ड के मेडिकल कॉलेज का संचालन शुरू करना षामिल हैं।

वर्ष 2019 में यात्री रोपवे की स्थापना के बाद भैरों जी मंदिर में आने वाले लोगों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि को ध्यान में रखते हुए, बोर्ड ने भैरों जी मंदिर परिसर के पुनर्विकास पर सहमति व्यक्त की, ताकि एक कुशल कतार प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन, लॉकर सुविधाओं और अतिरिक्त शौचालयों के प्रावधान सहित प्रमुख चिंताओं को दूर किया जा सके।

इस परियोजना का उद्देश्य एक साथ दर्शन की सुविधा प्रदान करना, यात्रा के समय को कम करना और समग्र तीर्थयात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाना है, जिससे भीड़ प्रबंधन को निर्बाध रूप से सुनिश्चित किया जा सके। इस परियोजना को 12 महीनों के भीतर पूरा करने की योजना है। बोर्ड ने दुकान लाइसेंसधारियों के साथ लंबे समय से चल रहे मुकदमेबाजी के मामलों को निपटाने के लिए एक माफी योजना को मंजूरी दी, जिससे समाधान के लिए एक बार का अवसर प्रदान किया जा सके।

बैठक में चालू वर्ष के लिए बोर्ड की वार्षिक हरित योजना के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की गई और वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक हरित योजना को मंजूरी दी गई। उपराज्यपाल ने एसएमवीडीएसबी के सीईओ को निर्देश दिया कि वे श्राइन बोर्ड के परिसर में मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का गहन मूल्यांकन करें, ताकि उत्पन्न सीवेज को संभालने में उनकी पर्याप्तता का आकलन किया जा सके और एसटीपी की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय किए जा सकें। उन्होंने आगे निर्देश दिया कि श्राइन के क्षेत्र में यथासंभव अक्षय ऊर्जा स्रोतों, विशेष रूप से सौर ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाने के लिए लक्षित पहलों की खोज की जाए।

उपराज्यपाल ने श्राइन बोर्ड द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं में निरंतर सुधार को बढ़ावा देने के लिए मजबूत फीडबैक तंत्र के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया।

उन्होंने बोर्ड के पुनर्गठन के बाद पिछले तीन वर्षों में बोर्ड सदस्यों के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और निरंतर मार्गदर्शन ने बोर्ड की प्रतिष्ठा को नए क्षितिज पर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बोर्ड ने गुरुकुल, अस्पताल, खेल परिसर, नर्सिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज सहित एसएमवीडी चैरिटेबल सोसाइटी के तहत परिधीय संस्थानों का मूल्यांकन किया और उनके कामकाज का समर्थन करने के लिए अनुदान और वित्तीय सहायता को मंजूरी दी।

बोर्ड ने स्थानीय हितधारकों के सहयोग से शंकराचार्य मंदिर परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए कई उपायों पर भी चर्चा की। बोर्ड ने पाया कि श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है और लगातार तीसरे वर्ष वार्षिक तीर्थयात्रा 90 लाख से अधिक रही है, जो पिछले साल 95 लाख तक पहुंच गई थी।

भवन क्षेत्र में प्रमुख परियोजनाओं के समर्पण सहित तृप्ति भोजनालय के साथ दुर्गा भवन, स्काईवॉक, पुनर्निर्मित पार्वती भवन और अटका क्षेत्र में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

इसके अलावा, कटरा और अन्य क्षेत्रों में सुविधाओं और सुख-सुविधाओं के विस्तार जैसे दर्शनी देवड़ी में क्यू कॉम्प्लेक्स, रेलवे स्टेशन पर वाईआरसी, अर्धकुंवारी में होलि्ंडग एरिया, तीर्थयात्रियों के लिए सह-कर्मचारियों के लिए आवास और प्रसाद केंद्रों की स्थापना ने भी इस वृद्धि में योगदान दिया है।

निःशुल्क लंगर, चिकित्सा सुविधाएं, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगों के लिए सुविधा और आरती और पूजन सुविधाओं के प्रावधान के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल और डिजिटल पहलों ने तीर्थयात्रा के अनुभव को काफी हद तक बढ़ा दिया है।

बैठक के दौरान उपराज्यपाल ने दर्शनी देवड़ी, बाणगंगा में क्यू कॉम्प्लेक्स और अर्धकुंवारी में होलि्ंडग एरिया सहित कई तीर्थयात्री-केंद्रित सुविधाओं का उद्घाटन किया। क्यू कॉम्प्लेक्स सभी मौसम की स्थिति के दौरान आश्रय प्रदान करता है और भक्तों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करता है।

इस बीच, अर्धकुंवारी में होलि्ंडग एरिया भीड़भाड़ और प्रतीक्षा समय को कम करता है, भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा में सुधार करता है और तीर्थयात्रियों की गर्भगृह की ओर सुगम आवाजाही सुनिश्चित करता है।

इस अवसर पर, तीर्थयात्रियों के लिए उपलब्ध विविध सुविधाओं में 50 ग्राम और 100 ग्राम चांदी के सिक्के भी शामिल किए गए। उल्लेखनीय है कि श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पहले भी देवी माता वैष्णो देवी जी के शिलालेख वाले विभिन्न मूल्यवर्ग के सोने और चांदी के सिक्के विकसित किए हैं, जो शुद्धता की गारंटी देते हैं।

इससे पहले, एसएमवीडीएसबी के सीईओ अंशुल गर्ग ने श्राइन बोर्ड की विभिन्न गतिविधियों और बोर्ड की पिछली बैठकों के विभिन्न निर्णयों के कार्यान्वयन के संबंध में की गई कार्रवाई पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

## सिंचाई नहरों पर अतिक्रमण के खिलाफ अभियान एक नियमित अभ्यास: जावेद राणा

जल शक्ति मंत्री जावेद अहमद राणा ने सदन को बताया कि विभाग बिजबेहरा में सिंचाई नहरों से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन के साथ समन्वित कार्रवाई करता है।

मंत्री विधायक बशीर अहमद वीरी द्वारा उठाए गए एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

मंत्री ने कहा कि अतिक्रमण विरोधी अभियान एक सतत प्रक्रिया है और वर्ष 2024-25 के दौरान आम जनता को कुल 39 नोटिस दिए गए। उन्होंने आगे बताया कि नंदी नहर से 700 पेड़ हटाए गए।

डिसिलि्टंग और ड्रेजिंग के बारे में, मंत्री ने कहा कि यह एक नियमित प्रक्रिया है जो अभिसरण कार्यक्रम के तहत सिंचाई मौसम की शुरुआत से पहले की जाती है।

उन्होंने सदन को आगे बताया कि श्रीगुफवारा बिजबेहरा निर्वाचन क्षेत्र में सिंचाई नेटवर्क नंदी और दुबजी नहरों पर निर्भर करता है। इन नहरों में रिसाव और तटबंध टूटने की समस्या है, जिस पर तुरंत कार्रवाई की जाती है और सूचना मिलने पर अतिक्रमण को हटाया जाता है।

# सरकार जीएमसी हंदवाड़ा को वैकल्पिक स्थल पर स्थानांतरित करेगी

## उच्च जोखिम वाली बाढ़ के कारण मौजूदा स्थल पर निर्माण संभव नहीं; समिति की रिपोर्ट में कहा गया

जम्मू

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने कहा कि कुपवाड़ा जिले के लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकारी मेडिकल कॉलेज, हंदवाड़ा का निर्माण वैकल्पिक स्थल पर किया जाएगा।

सज्जाद गनी लोन के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने बताया कि हाल के दिनों में 29 मार्च 2024, 16 अप्रैल 2024 और 28.04.2024 को अभूतपूर्व बाढ़ की सूचना मिली है, जब अधिकतम बाढ़ का स्तर क्रमशः 0.6 मीटर, 3.8 मीटर और 4.0 मीटर ग्राउंड लेवल से ऊपर दर्ज किया गया था, जो नाला पोहरू (नई जीएमसी और जीएमसी हंदवाड़ा के लिए छात्रावासों के लिए मौजूदा निर्माण स्थल) के दाहिने किनारे पर है, जिससे इस तरह की प्रतिष्ठित सुविधा का निर्माण करना अव्यवहारिक है।

उन्होंने बताया कि बाढ़ के बाद मौजूदा साइट की व्यवहार्यता की जांच के लिए एक समिति बनाई गई थी। उन्होंने कहा, ÷इंजीनियर-इन-चीफ, पीडब्लू (आरएंडबी) विभाग की अध्यक्षता वाली समिति ने रिपोर्ट दी है कि बाढ़ के उच्च जोखिम के कारण वर्तमान साइट व्यवहार्य नहीं है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और बुनियादी ढांचे को खतरा होगा।÷

मंत्री ने आगे कहा, ÷इंजीनियर-इन-चीफ, पीडब्लू विभाग (समिति के अध्यक्ष) ने बाद की बैठकों में दोहराया कि वर्तमान साइट आगे बढ़ने की स्थिति में नहीं है और प्रस्तावित बाढ़ सुरक्षा उपाय बाढ़ के जोखिम को कम नहीं करेंगे, जिससे वर्तमान साइट पर निर्माण कार्य को आगे बढ़ाना असंभव हो जाएगा।÷ उन्होंने कहा, ÷इंजीनियर-इन-चीफ, पीडब्लू विभाग की अध्यक्षता वाली संयुक्त समिति की तकनीकी रिपोर्ट दर्शाती है कि वर्तमान साइट व्यवहार्य नहीं है। मंत्री ने सदन को यह भी बताया कि सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेज, हंदवाड़ा के स्थानांतरण के लिए भूमि के मुद्दे को हल करने के लिए कश्मीर के संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है।

उन्होंने कहा, ÷समिति की सिफारिशों के आधार पर, जीएमसी हंदवाड़ा को स्थानांतरित करने के लिए वैकल्पिक स्थलों को अंतिम रूप देने के लिए अब मामला कृषि उत्पादन विभाग के समक्ष उठाया गया है।÷

मंत्री ने यह भी बताया कि नए जीएमसी हंदवाड़ा के लिए परियोजना को केंद्र प्रायोजित योजना 'जिला/रेफरल अस्पतालों से जुड़े नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना (चरण ￼)' के तहत मंजूरी दी गई थी।

उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय ने परियोजना के लिए समयसीमा एक वर्ष के लिए बढ़ाकर मार्च 2025 कर दी है और अब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार से सरकारी मेडिकल कॉलेज, हंदवाड़ा, (चरण ￼) के पूरा होने की समयसीमा को दो साल के लिए बढ़ाकर मार्च 2027 करने के लिए फिर से संपर्क किया गया है।

मंत्री ने सदन को आष्वस्त किया कि सरकार जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई साइट का मामला कृषि मंत्रालय के समक्ष उठाया गया है और ऐसी जगह पर भूमि की पहचान की जाएगी, जो कुपवाड़ा जिले के सभी क्षेत्रों के लिए सुलभ होगी।

शेख खुर्शीद ने इस मुद्दे पर पूरक प्रश्न उठाए।

# मुख्य सचिव ने विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा की

## जम्मू एवं कश्मीर प्रशासन की आपदा प्रबंधन तैयारियों का आकलन किया

**जम्मू**

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण विभाग के साथ गहन बैठक की, जिसमें जम्मू एवं कश्मीर के विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों के साथ-साथ क्षेत्र के विभिन्न जिलों में आपदा प्रबंधन तैयारियों की स्थिति का आकलन किया गया।

बैठक में गृह एवं डीएमआरआरएंडआर विभागों के प्रमुख सचिव, कश्मीर/जम्मू के संभागीय आयुक्त, लोक निर्माण विभाग के सचिव, एसएचए के सीईओ, राहत आयुक्त, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता तथा विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

डुल्लू ने केंद्र शासित प्रदेश में विभिन्न प्रवासी श्रेणियों के लिए दिए जा रहे राहत एवं पुनर्वास उपायों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इनमें से प्रत्येक उपाय के लिए निर्धारित समय-सीमा को बिना किसी चूक के पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने कश्मीरी पंडित (पीएम पैकेज) कर्मचारियों के लिए बनाए जा रहे 6000 ट्रांजिट आवासों की स्थानवार स्थिति पर ध्यान दिया। उन्होंने निर्मित, निर्माणाधीन तथा इन कर्मचारियों द्वारा आवंटित और अधिभोग किए गए फ्लैटों के विवरण के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि सभी तरह से पूर्ण हो चुके फ्लैटों को तुरंत आवंटित किया जाना चाहिए तथा इन संरचनाओं के वास्तविक उपयोग के लिए चारदीवारी, आंतरिक सड़कें, पहुंच मार्ग जैसे संबद्ध कार्य भी शुरू किए जाने चाहिए।

इन प्रवासी परिवारों को एनएफएसए के तहत शामिल करने के संबंध में, मुख्य सचिव ने वृद्धावस्था और विधवा पेंशन, विवाह सहायता, छात्रवृत्ति, आयुष्मान भारत गोल्ड कार्ड जैसे संबद्ध लाभों को बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि उनके मन में किसी भी तरह की शंका को दूर किया जा सके और साथ ही अन्य लोगों के बीच इसके उपयोग को बढ़ाया जा सके।

मुख्य सचिव ने अपने उपयोगकर्ताओं के लिए इसके कामकाज को और अधिक संतोषजनक बनाने के लिए 'कश्मीरी प्रवासी शिकायत' पोर्टल को अपडेट करने के लिए भी कहा। उन्होंने राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति करने का आह्वान किया, जो संबंधित उपायुक्तों के साथ व्यक्तिगत रूप से मुद्दों को उठाकर पंजीकृत शिकायतों का संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने इन राहत उपायों की समग्र दक्षता बढ़ाने के लिए सभी प्रवासी रिकॉर्डों के डिजिटलीकरण के निर्देश दिए। उन्होंने राहत संगठन की वेबसाइट को एनआईसी के माध्यम से अपडेट करने का आह्वान किया ताकि इसे और अधिक उपयोगकर्ता के अनुकूल और साथ ही जानकारीपूर्ण बनाया जा सके।

बैठक में पीओजेके और अन्य पश्चिमी पाकिस्तानी शरणार्थियों को उनके लिए पुनर्वास पैकेज के तहत कवर करने के लिए शुरू किए गए जनपहुंच अभियानों की प्रगति पर ध्यान दिया गया। इसमें सुकेतर में 'पीओजेके भवन', जगती में सामुदायिक भवन की स्थापना और विस्थापित लोगों की अन्य मांगों सहित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की स्थिति पर भी चर्चा की गई।

डुल्लू ने विभाग से आग्रह किया कि वह केंद्र शासित प्रदेश में आने वाली विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए विभाग की क्षमता को बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करे। उन्होंने आपातकालीन परिचालन केंद्र को इसकी क्षमता का अधिकतम उपयोग करके कार्यात्मक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपदाओं के समय इसने प्रभावित आबादी को राहत सुनिश्चित करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की आपदाओं को रोकने के लिए विभिन्न पर्वतीय झीलों में अभियान चलाने के बाद एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने राहत गतिविधियों के दौरान काम करने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए छात्रों और अन्य स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करने का आह्वान किया।

डीएमआरआरएंडआर के प्रमुख सचिव चंद्राकर भारती ने बैठक में आवश्यक जनशक्ति की तैनाती करके यूटी, मंडल और जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन प्रणालियों को मजबूत करने सहित विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने विभाग द्वारा की जा रही राहत और आपदा प्रबंधन गतिविधियों और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के कामकाज से बैठक को अवगत कराया।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने बताया कि सभी 20 जिलों के वर्ष 2024-25 के लिए डीडीएमपी को अपडेट कर दिया गया है और प्रभावित आबादी की राहत के लिए यूटी विशिष्ट आपदा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

इसके अलावा, उन्होंने बैठक को पीएम के 'डीआरआर पर दस सूत्री एजेंडा' के जम्मू-कश्मीर के कार्यान्वयन से अवगत कराया।

उन्होंने अन्य खतरों से संबंधित योजनाओं की स्थिति पर भी प्रकाश डाला, जैसे हीट वेव एक्शन प्लान, बाढ़ प्रबंधन एक्शन प्लान तैयार किया गया, शीत लहर एक्शन प्लान तैयार किया गया तथा जीएसआई द्वारा 22 भूस्खलन अध्ययन किए गए।

उन्होंने कहा कि ओमपुरा, बडगाम में बनने वाला ईओसी इस महीने के अंत तक चालू हो जाएगा। इसके अलावा, विभाग ने आपदा प्रतिक्रिया कॉल प्राप्त करने के लिए 112 टोल फ्री नंबर के साथ आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली भी शुरू की है।

विभाग की अन्य पहलों और गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें संसाधनों के मानचित्रण के लिए आईडीआईएन, अलर्ट जनरेटिंग एजेंसियों आईएमडी, सीडब्ल्यूसी, आईएनसीओआईएस, डीजीआरई, एफएसआई को एकीकृत करके कॉमन अलर्ट प्रोटोकॉल और टीएसपी, टीवी, रेडियो, केबल टीवी, सोशल मीडिया, भारतीय रेलवे, तटीय सायरन आदि के माध्यम से आपदाओं के बारे में इन अलर्ट को प्रसारित करना शामिल है।

इससे पहले, राहत आयुक्त अरविंद करवानी ने घाटी के विभिन्न जिलों में कश्मीरी प्रवासियों को प्रदान की जा रही पारगमन आवास और नौकरियों की स्थिति के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी।

उन्होंने विस्तार से बताया कि 6000 नौकरियों में से, अब तक 5868 नियुक्तियां की जा चुकी हैं और केवल कुछ मुद्दों या विचाराधीन पदों पर ही वर्तमान में नियुक्ति अधर में है।

पारगमन आवास के बारे में, उन्होंने बैठक में बताया कि निर्माण के लिए 5632 फ्लैट लिए गए हैं, जिनमें से 3152 अब तक पूरे हो चुके हैं।

कश्मीर और जम्मू के प्रवासियों को राहत देने के लिए कहा गया कि प्रत्येक परिवार को 9 किलो चावल, 2 किलो आटा और 1 किलो चीनी दी जा रही है। इसके अलावा, कश्मीर और जम्मू के 20,564 और 908 परिवारों को क्रमशः 13,000 रुपये प्रति परिवार तक की नकद सहायता दी जा रही है।

# बटमालू में मिनी सचिवालय के निर्माण पर 9.82 करोड़ रुपये खर्च

बटामालू में मिनी सचिवालय के निर्माण पर अब तक 9.82 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

सदस्य तारिक हमीद कर्रा द्वारा उठाए गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री की ओर से शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने यह जानकारी दी।

उन्होंने सदन को बताया कि परियोजना को क्रियान्वित करने का निर्णय 4 अक्टूबर, 2017 को जम्मू-कश्मीर राज्य के मुख्यमंत्री (जिला विकास बोर्ड के अध्यक्ष) की अध्यक्षता में आयोजित जिला विकास बोर्ड की बैठक के दौरान लिया गया था।

बटामालू में मिनी सचिवालय का निर्माण नामक परियोजना 2018 में 48.23 करोड़ रुपये की तकनीकी रूप से जांची गई लागत के साथ शुरू हुई थी। मंत्री ने कहा, ÷परियोजना के लिए 1 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई थी, जिसके विरुद्ध 82 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।÷

उन्होंने आगे बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान, अतिरिक्त 9 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिससे परियोजना पर अब तक कुल व्यय 9.82 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा, ÷यह उल्लेख करना उचित है कि परियोजना की पाइल फाउंडेशन का काम पूरा हो चुका है।÷

मंत्री ने यह भी बताया कि निष्पादन एजेंसी ने अब 80.26 करोड़ रुपये की संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है, जो वर्तमान में विभाग द्वारा विचाराधीन है।

# आज का राशिफल

**मेषः** मेष राशि वालों के लिए यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। इस सप्ताह आप अपने कार्यों को खूब मन लगाकर करेंगे और आपको उसमें स्वजनों से अपेक्षित सहयोग और सफलता की प्राप्ति होगी। सप्ताह की शुरुआत में व्यावसायिक कार्यों को लेकर अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। नौकरीपेशा लोगों पर भी इस दौरान कामकाज का अतिरिक्त बोझ बना रह सकता है लेकिन सीनियर और जूनियर की मदद से आप सभी कार्यों को बेहतर तरीके से करने में कामयाब हो जाएंगे। प्ताह के मध्य में कुछ नए लोगों से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी। जिनकी मदद से भविष्य में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। इस सप्ताह आपकी चल और अचल संपत्ति में वृद्धि के योग बनेंगे। पैतृक संपत्ति की प्राप्ति में आ रही अड़चनें दूर होंगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में आप किसी योजना अथवा कारोबार में विस्तार के लिए धन निवेश कर सकते हैं। रिश्ते-नाते की दृष्टि से भी यह सप्ताह आपके लिए शुभ रहने वाला है। पूरे सप्ताह अपनों का साथ और सहयोग बना रहेगा। भाई-बहनों के साथ प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में आप अपने लव अथवा लाइफ पार्टनर के साथ किसी मनोरंजक स्थल की यात्रा पर निकल सकते हैं। यह सप्ताह एकदूसरे को समझने और करीब आने के लिए अत्यंत ही अनुकूल साबित होगा। सेहत सामान्य रहेगी।

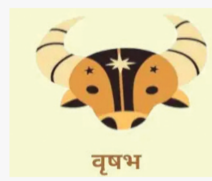


**वृषभः** वृष राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आपके लंबे समय से अटके कार्यों में गति नजर आएगी। सीनियर के सहयोग से कार्यक्षेत्र में आ रही परेशानियां दूर होंगी। अधीनस्थों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। यह सप्ताह कामकाजी महिलाओं के लिए अत्यधिक शुभ साबित होगा। कार्यक्षेत्र के साथ घर-परिवार में उनका मान-सम्मान बढ़ेगा। घर-परिवार के सदस्यों और सगे-संबंधियों का पूरा सहयोग और समर्थन मिलेगा। सप्ताह के मध्य में अचानक से किसी तीर्थ स्थान की यात्रा के योग बन सकते हैं। यात्रा सुखद साबित होगी। इस दौरान आपको आर्थिक उन्नति के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। बाजार में आई तेजी का आप लाभ उठाने में कामयाब होंगे। रुके हुए अथवा मार्केट में फंसा हुआ धन अप्रत्याशित रूप से निकल आएगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में सत्ता-सरकार से जुड़े लोगों का सहयोग मिलेगा। जिनकी मदद से कोई बड़ा कार्य पूर्ण होगा। सेहत की दृष्टि से सप्ताह के उत्तरार्ध का समय थोड़ी प्रतिकूल रह सकता है। इस दौरान आप मौसमी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। घर-परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी प्रिय व्यक्ति के घर में आने से खुशियों का माहौल रहेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

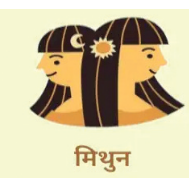


**मिथुनः** मिथुन राशि के जातकों के लिए इस सप्ताह जीवन में आगे बढ़ने के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन उसका लाभ उठाने के लिए आपको अपनी ऊर्जा, समय आदि का प्रबंधन करके चलना होगा। साथ ही साथ उन लोगों की नजरंदाज करना होगा जो अक्सर आपको आपके लक्ष्य से भटकाने का प्रयास करते हैं। सप्ताह की शुरुआत में आपके सिर पर अचानक से कामकाज का अतिरिक्त बोझ आ सकता है, लेकिन यह आपके लिए एक अवसर है और यदि आप अतिरिक्त जिम्मेदारी निभाने में कामयाब रहते हैं, तो आपको भविष्य में कद और पद दोनों में वृद्धि संभव है। सप्ताह के मध्य में आप व्यावसायिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे और इस दौरान आपको कारोबार में मनचाहा लाभ भी प्राप्त होगा। इस दौरान आपकी मुलाकात प्रभावी लोगों से होगी जिनकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। युवाओं का अधिकांश समय मौजमस्ती करते हुए बीतेगा। विदेश से जुड़े कार्य करने को इच्छुक एवं वहां अपना करियर बनाने के लिए प्रयासरत लोगों को बड़ी सफलता मिल सकती है। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आपको अपने लव पार्टनर के साथ सुखद समय बिताने के खूब अवसर प्राप्त होंगे। आपके बीच भावनात्मक लगाव में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन सुखमय बना रहेगा।

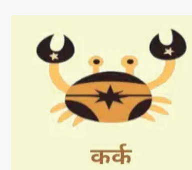


**कर्क :** कर्क राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। सप्ताह की शुरुआत में आपको कार्यों में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान घर-परिवार के सदस्यों के साथ किसी बात को लेकर तकरार होने की आशंका है। सगे-संबंधियों से अपेक्षित सहयोग और समर्थन नहीं मिल पाएगा। ऐसे में आपको घरेलू विवाद या समस्याओं का समाधान खोजते समय बड़ी सूझबूझ से काम लेना होगा। इस सप्ताह आपको संबंध के साथ सेहत को भी बेहतर बनाए रखने का प्रयास करना होगा। मौसमी बीमारी से सतर्क रहें और वाहन धीरे चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका है। कर्क राशि के जातकों के इस सप्ताह हड्डी से जुड़े रोग उभर सकते हैं। करियर-कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। ऐसे में इससे जुड़ा कोई भी महत्वपूर्ण कदम उठाने से पहले अपने शुभचिंतकों की राय अवश्य लें। धन के लेनदेन में सावधानी बरतें और दूसरों के भरोसे अपने कार्य को छोड़ने से बचें। सप्ताह के उत्तरार्ध में धनागम के स्रोत प्रभावित हो सकते हैं। इस दौरान संतान से जुड़ी कोई समस्या आपकी चिंता का बड़ा कारण बन सकती है। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं और उसका बेवजह प्रदर्शन करने से बचें अन्यथा बदनामी झेलनी पड़ सकती है।

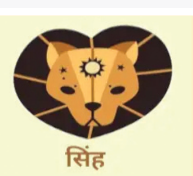


**सिंह :** सिंह राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह सामान्य रहने वाला है। इस सप्ताह आपके कार्य पूर्व की भांति समय से पूरे होते रहेंगे। करियर-कारोबार में अनुकूलता बनी रहेगी। सप्ताह की शुरुआत में आपको कामकाज के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा करना पड़ सकता है। यात्रा सुखद एवं लाभप्रद साबित होगी। यात्रा के दौरान प्रभावी लोगों के साथ संबंध बनेंगे। जिनकी मदद से भविष्य में लाभ की योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में अचानक से कुछ बड़े खर्च आ जाने से आर्थिक रूप से अस्थिरता नजर आ रही है लेकिन उत्तरार्ध तक चीजें पटरी पर आ जाएंगी। सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह सफलता के मद में अपनों का अपमान करने से बचने की जरूरत रहेगी अन्यथा आपकी वाणी और व्यवहार से वर्षों से बने संबंध में दरार आ सकती है अथवा वो टूट भी सकते हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों का मन पढ़ाई-लिखाई से उचट सकता है। इस दौरान आपका अधिकांश समय मौज-मस्ती या फिर कहें पिकनिक-पार्टी करते हुए बीतेगा। सिंह राशि के जातकों को इस सप्ताह किसी नई योजना से जुड़ने अथवा नया कार्य प्रारंभ करने से पहले अपने शुभचिंतकों की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

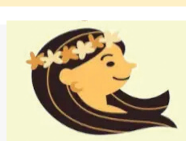


**कन्या :** कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही शुभ साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह स्वजनों के सहयोग से आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। लंबे समय से अटके कार्यों में गति आएगी। आपको करियर और कारोबार में तरक्की करने के अवसर प्राप्त होंगे। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को सप्ताह के पूर्वार्ध में कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं और आप अपने कार्यक्षेत्र में बदलाव के लिए प्रयासरत हैं तो आपको इस सप्ताह अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं। मनचाही जगह पर तबादला संभव है। यह सप्ताह विदेश से जुड़े कारोबार अथवा कार्य करने वालों के लिए अत्यंत ही शुभ साबित होगा। आपके कार्य-व्यापार में वृद्धि होगी। व्यवसाय में धन लाभ से आर्थिक दिक्क तें दूर होंगी और कारोबार में विस्तार की योजना सफल होती हुई नजर आएगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा के योग बनेंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं तो इस दौरान आपकी आय के एक अधिक साधन बनेंगे। संभ्रांत लोगों के साथ संबंध स्थापित होंगे, जिनके जरिए आपको भविष्य में लाभ प्राप्ति संभव है। प्रेम संबंध में प्रगाढ़ता आएगी। वैवाहिक जीवन सुखयम बना रहेगा।

**तुला :** तुला राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। इस सप्ताह आपके करियर और कारोबार की गति कुछ धीमी रहने वाली है। सप्ताह के पूर्वार्ध में अचानक से कुछ बड़े खर्चे आ जाने के कारण आपका बना-बनाया बजट गड़बड़ा सकता है। आर्थिक तंगी का असर आपके पारिवारिक जीवन में भी देखने को मिल सकता है जो कि कलह का कारण बन सकता है। इस दौरान आपको नियम और कानून को तोड़ने से बचना चाहिए अन्यथा आपको मानहानि के साथ धन हानि भी झेलनी पड़ सकती है। कुल मिलाकर आपको इस सप्ताह पास के फायदे में दूर का नुकसान करने से बचना होगा। साथ ही साथ आपको अपनी रणनीतियों का खुलासा करने से बचना होगा अन्यथा आपके विरोधी उसमें विघ्न डालने का काम कर सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने सीनियर अथवा जूनियर से बेवजह विवाद करने से बचते हुए अपने लक्ष्य पर फोकस करने की आवश्यकता बनी रहेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में भूमि-भवन से जुड़ा विवाद आपकी चिंता का कारण बन सकता है। तुला राशि के जातकों को प्रेम प्रसंग में सोच-समझकर कदम आगे बढ़ाने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपकी रुचि धार्मिक कार्यों के प्रति बढ़ेगी। इस दौरान परिवार के साथ किसी तीर्थ स्थान की यात्रा योग बन सकते हैं।

**वृश्चिकः** वृश्चिक राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह अत्यंत ही महत्वपूर्ण साबित होने जा रहा है। इस सप्ताह आपको अप्रत्याशित रूप से उन लोगों से भी सहयोग और समर्थन मिलेगा जिनसे आप कभी उम्मीद भी नहीं करते थे। आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होंगे। जिसके चलते आपके भीतर एक सकारात्मक उर्जा हर समय बनी रहेगी और आप अपने प्रत्येक कार्य को जोश-खरोश के साथ करेंगे। करियर और कारोबार की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए बेहद शानदार रहने वाला है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने सीनियर से कार्य विशेष को बेहतर तरीके से करने के लिए शाबासी और अधीनस्थ लोगों से सहयोग और समर्थन की प्राप्ति संभव है। व्यवसाय से जुड़े लोगों के कारोबार विस्तार की योजनाएं साकार होती हुई नजर आएंगी। बाजार में उनकी साख बढ़ेगी। इस सप्ताह पुरुषों के मुकाबले व्यवसायी और कामकाजी महिलाओं को कार्य-व्यापार में अधिक सफलता और सम्मान मिलने की संभावना है। सप्ताह के मध्य में आपका मन धार्मिक-सामाजिक कार्यों में लगेगा। इस दौरान परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल है। इस सप्ताह आप पर आपके पिता का स्नेह बरसेगा और वह आपके प्रत्येक उठाए कदम में साथ खड़े नजर आएंगे। लव लाइफ शानदार रहेगी। लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगीं।

**धनु :** धनु राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य को लिए हुए है। इस सप्ताह आप पाएंगे कि आपका बड़ा से बड़ा कार्य येन-केन-प्रकारेण पूरा हो जाएगा। आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मनचाही सफलता मिलेगी, जिससे आप काफी संतुष्ट और प्रसन्न नजर आएंगे। इस सप्ताह आपकी छवि एक सफल इंसान के रूप में लोगों के सामने आएगी और हर आदमी आपसे जुड़ने का प्रयास करेगा। यदि आप रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं तो आपको इस सप्ताह कोई बड़ा प्रस्ताव मिल सकता है। करियर-कारोबार दोनों की दृष्टि से यह सप्ताह आपके लिए अनुकूल है लेकिन बावजूद इसके आपको आलस्य और अभिमान से बचने की आवश्यकता रहेगी, अन्यथा सफलता एवं लाभ का प्रतिशत कम हो सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको उन लोगों से खूब सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी जो आपकी सफलता से जलते हैं और हर समय आपकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते रहते हैं। इस सप्ताह के अंत में आपको करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी अथवा छोटी दूरी की यात्रा करनी पड़ सकती है। यात्रा सुखद एवं नये संपर्कों को बढ़ाने वाली साबित होगी। प्रेम संबंध की दृष्टि से यह सप्ताह अनुकूल है। यदि आप सिंगल हैं तो आपके जीवन में मनचाहे व्यक्ति का प्रवेश हो सकता है। वहीं पहले से चले आ रहे प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। वैवाहिक जीवन सुखमय बना रहेगा।

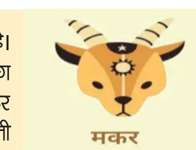


**मकरः** मकर राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह पूरी तरह से अनुकूल रहने वाला है। इस सप्ताह नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने वरिष्ठ एवं अधीनस्थ लोगों का पूरा सहयोग और समर्थन हासिल रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना सफल साबित होगी और उसकी हर कोई प्रशंसा करेगा। मनचाहे पद अथवा मनचाहे स्थान पर तबादले की कामना पूरी हो सकती है। कारोबार में विस्तार की योजनाएं सफल होंगी। आपको पूरे सप्ताह मनचाहा लाभ मिलेगा। बाजार में आपकी साख बढ़ेगी। मनचाही सफलता से आपका उत्साह और पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा और आपके सकारात्मक विचारों वृद्धि होगी। पूर्व में किये गये धन निवेश से लाभ की प्राप्ति होगी। सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध का समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ साबित होगा। इस दौरान आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और आर्थिक मामलों में शुभ समाचार की प्राप्ति संभव है। पैतृक संपत्ति की प्राप्ति में आ रही अड़चनें दूर होंगी। भूमि-भवन के क्रय-विक्रय की मनोकामना पूरी होगी। कोर्ट-कचहरी में यदि कोई मुकदमा चल रहा है तो उसमें आपको विजय मिल सकती है। राजनीति से जुड़े लोगों को सत्ता-सरकार अथवा पार्टी के भीतर अहम जिम्मेदारी मिल सकती है। रिश्ते-नाते की दृष्टि से यह सप्ताह पूरी तरह से आपके पक्ष में है। घर-परिवार में प्रेम और सामंजस्य बना रहेगा। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

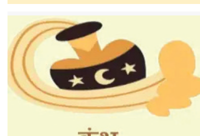


**कुंभः** कुंभ राशि के जातकों को इस सप्ताह भी जीवन से जुड़े किसी भी बड़े फैसले को लेते समय खूब समझदारी और विवेक से काम लेना होगा। सप्ताह की शुरुआत में अचानक से जीवन में आने वाली समस्याओं से आपको परेशानी का अनुभव हो सकता है। इस दौरान कुंभ राशि के नियमों की अनदेखी से बचें तथा वाहन सावधानी के साथ चलाएं अन्यथा आर्थिक एवं शारीरिक कष्ट मिलने की आशंका है। नौकरीपेशा लोगों को अपने कार्यक्षेत्र में किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने की आवश्यकता रहेगी। कुल मिलाकर आपको कठिन परिश्रम करने पर ही आपको मनचाही सफलता और सम्मान की प्राप्ति संभव हो पाएगी। व्यवसाय से जुड़े लोगों को इस सप्ताह के पूर्वार्ध में अपेक्षा के अनुसार लाभ तो होगा लेकिन खर्च उससे कहीं ज्यादा होगा। कहने का तात्पर्य यह कि आपको इस सप्ताह आय-व्यय के संतुलन को साधना होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध का समय आपकी सेहत और संबंध की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। ऐसे इस दौरान अपने खानपान और दिनचर्या के साथ स्वजनों के साथ संबंध को ठीक रखने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण मन थोड़ा चिंतित रहेगा। परिवार के किसी बुर्जुग सदस्य की खराब सेहत भी आपकी चिंता कारण बनेगी।

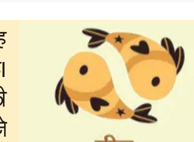


**मीन :** मीन राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। इस सप्ताह आपको कभी घी घना तो कभी सूखा चना और कभी वो भी मना वाली स्थिति से गुजरना पड़ सकता है। इस सप्ताह आपके कार्यों में जहां तमाम तरह की अड़चनें आएंगे तो वहीं इष्ट-मित्रों और शुभचिंतकों की मदद से उसे दूर करने का रास्ता भी निकलेगा। हालांकि जीवन से जुड़ी तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए तन और मन से स्वस्थ रहने की आवश्यकता रहेगी। सप्ताह के मध्य का समय आपकी सेहत की दृष्टि से प्रतिकूल रह सकता है। इस दौरान आपकी कोई पुरानी बीमारी उभर सकती है अथवा आप मौसमी बीमारी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और तथा अपनी दिनचर्या एवं खानपान सही रखें। मीन राशि के जातकों को इस सप्ताह अपने तय किए गए टारगेट को पाने के लिए अतिरिक्त परिश्रम और प्रयास की जरूरत पूरे सप्ताह बनी रहेगी। इस सप्ताह आय के मुकाबले व्यय की अधिकता रहेगी। जिसके चलते आपका बजट बिगड़ सकता है। छात्र वर्ग को मनचाही सफलता पाने के लिए समय का दुरुपयोग और आलस्य से बचते हुए कठिन परिश्रम करना होगा। प्रेम संबंध में आपसी विश्वास की कमी देखने को मिल सकती है। अपने रिश्ते को बेहतर बनाए रखने के लिए किसी भी प्रकार के विवाद को संवाद से दूर करने का प्रयास करें।

# पृष्ठ 1 का शेष

## बजट सत्र 2025 : मुख्यमंत्री

सुधार करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए राजकोषीय अनुशासन और सुधार लाने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर ई-उन्नत पोर्टल पर 1,166 ऑनलाइन सरकारी सेवाओं के साथ डिजिटल शासन में अग्रणी है और जेके समाधान और राबिता प्लेटफार्मों के माध्यम से वास्तविक समय की शिकायत निवारण प्रणाली है।

**एएवाई परिवारों के लिए मुफ्त बिजली**

मुख्यमंत्री ने एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करते हुए जम्मू-कश्मीर में सभी अंत्योदय अन्न योजना परिवारों के लिए प्रति माह 200 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा की। पीएम सूर्यघर बिजली योजना के साथ एकीकृत, यह पहल ग्रिड से जुड़े सौर प्रणालियों की स्थापना की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे समाज के सबसे कमजोर वर्गों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित होगी और बिजली बिलों को खत्म किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा ''पांच वर्षों में 750 करोड़ रुपये के निवेश के साथ, यह कदम एटीएंडसी घाटे को कम करेगा और स्थायी ऊर्जा को बढ़ावा देगा। मैं इस प्रतिष्ठित सदन से हरित, अधिक समावेशी और आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर की दिशा में इस परिवर्तनकारी कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं।'' इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हजारों बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए समर्पित लाइनमैन हट्स का निर्माण करेगी और आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करेगी, जो विषम परिस्थितियों में काम करते हैं।

कौशल बढ़ाने और बिजली विकास विभाग के तकनीकी सहायता कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्रशिक्षण संस्थान भी स्थापित किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे तकनीकी कौशल से पूरी तरह सुसज्जित हों।

उन्होंने सदन को बताया कि 2025-26 के लिए, बिजली क्षेत्र को पूंजीगत व्यय के तहत 2,021.37 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो 2024-25 के संशोधित आवंटन से 762.80 करोड़ की वृद्धि दर्शाता है।

**एएवाई परिवारों के लिए 10 किलो मुफ्त राशन**

सामाजिक सुरक्षा के एक अतिरिक्त उपाय के रूप में, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि सभी एएवाई लाभार्थियों को 1 अप्रैल, 2025 से प्रति व्यक्ति प्रति माह 10 किलो मुफ्त राशन मिलेगा। यह पहल कमजोर परिवारों के लिए बेहतर पोषण सहायता सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा हमारी सरकार एक मजबूत और कुशल सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सेवा वितरण को बढ़ाने, लीकेज को रोकने और जम्मू-कश्मीर में आवश्यक वस्तुओं का निष्पक्ष और पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के लिए 2025-26 में स्मार्ट पीडीएस लागू किया जाएगा।

**जम्मू-कश्मीर में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर, मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अप्रैल 2025 से जम्मू-कश्मीर में महिलाओं को ई-बसों सहित सरकारी स्वामित्व वाले सार्वजनिक परिवहन पर मुफ्त सवारी का आनंद मिलेगा।

**विवाह सहायता में बढ़ोश्नरी**

आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए एक महत्वपूर्ण राहत में, ईडब्ल्यूएस श्रेणी की लड़कियों के लिए योजना के तहत विवाह सहायता को 50,000 रु. से बढ़ाकर 75,000 रु. कर दिया गया है।

**कमजोर वर्गों के लिए पेंशन में वृद्धि**

एक और प्रतिबद्धता को पूरा करते हुए, मुख्यमंत्री ने एकीकृत सामाजिक सहायता योजना और राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत जम्मू-कश्मीर में 10,07,324 व्यक्तियों के लिए पेंशन में वृद्धि की। संशोधित पेंशन संरचना 60 वर्ष से कम आयु के व्यक्तियों के लिए 1,250 रु. प्रति माह है, 60 के बीच और 80 वर्ष से कम आयु वालों के लिए 1,500 प्रति माह और 80 वर्ष या उससे अधिक आयु वालों के लिए 2,000 प्रति माह है।

**रक्त संबंधियों के बीच संपत्ति हस्तांतरण के लिए स्टाम्प शुल्क में छूट**

मुख्यमंत्री ने रक्त संबंधियों के बीच उपहार के माध्यम से संपत्ति हस्तांतरण पर स्टाम्प शुल्क से पूरी तरह छूट देने की घोषणा की। इस कदम से लेन-देन में आसानी होगी, उत्तराधिकार विवाद कम होंगे और संपत्ति हस्तांतरण के कानूनी दस्तावेजीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

**क्षेत्रीय आवंटन और विकास पहल**

ऽ कृषि और संबद्ध क्षेत्र-2,221.58 करोड़ आवंटित, संशोधित 2024-25 आवंटन से 332.72 करोड़ की वृद्धि।

ऽ ग्रामीण विकास-3,773.93 करोड़ आवंटित, संशोधित 2024-25 आवंटन से 990.04 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ पर्यटन-390.20 करोड़ आवंटित, 121.77 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ उद्योग-602.85 करोड़ आवंटित, 291.44 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा क्षेत्र-1,750.50 करोड़ आवंटित, 643.71 करोड़ रु. की वृद्धि। स्वास्थ्य सेवा सुलभता में सुधार के लिए जल्द ही सेहत ऐप लॉन्च किया जाएगा।

ऽ शिक्षा क्षेत्र-1,388.97 करोड़ आवंटित, 242.75 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ खेल क्षेत्र-152.69 करोड़ आवंटित, 36.91 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ सड़क एवं पुल-4,062.93 करोड़ आवंटित, 439.28 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ सिंचाई एवं जल आपूर्ति-2,662.71 करोड़ आवंटित, 817.87 करोड़ रु. की वृद्धि।

ऽ आवास एवं शहरी विकास-2,761.74 करोड़ आवंटित, 823.53 करोड़ रुपये की वृद्धि।

विभिन्न क्षेत्रों में बजटीय प्रस्तावों का विवरण देते हुए, सीएम ने कहा कि बिजली क्षेत्र में, जम्मू-कश्मीर 2027-28 तक 7,500 मेगावाट की नई पनबिजली परियोजनाओं और स्मार्ट ग्रिड निवेश के साथ 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली और ऊर्जा में आत्मनिर्भरता हासिल करने का लक्ष्य रखेगा।

बिजली दक्षता में और सुधार करने के लिए, समग्र तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे को कम करने और ऊर्जा ऑडिट आयोजित करने में उत्कृष्ट प्रयासों को मान्यता देने के लिए मुख्यमंत्री पुरस्कार स्थापित किए जाएंगे।

मुख्य राजमार्गों और सुरंगों के निर्माण कार्य के तहत होने और यूएसबीआरएल परियोजना के माध्यम से रेल संपर्क में तेजी से प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, सीएम ने कहा कि बजट में जम्मू-कश्मीर में कनेक्टिविटी में सुधार के लिए 2025-26 में 4,000 किलोमीटर सड़कों को पक्का करने का प्रस्ताव है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और संबद्ध क्षेत्र हमारी अधिकांश आबादी की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं और समग्र कृषि विकास कार्यक्रम में 2027-28 तक 5013 करोड़ रुपये का परिव्यय है, जो निर्वाह खेती को वाणिज्यिक कृषि-अर्थव्यवस्था में बदल रहा है। औद्योगिक विकास पर, मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में वर्तमान में 64 औद्योगिक एस्टेट हैं और 46 और विकास के अधीन हैं और सरकार इन एस्टेटों में बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि सरकार एसजीएसटी प्रतिपूर्ति और टर्नओवर प्रोत्साहन को सुव्यवस्थित कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्योग सहयोग को मजबूत करने के लिए, सरकार उद्योगों पर एक सलाहकार समिति का गठन करेगी, जो व्यवसायों के साथ नियमित जुड़ाव सुनिश्चित करेगी।

सीएम ने उभरते उद्यमियों के लिए वित्तीय सहायता, सलाह और इनक्यूबेशन का समर्थन करने के लिए इस वर्ष 50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि सरकार सार्वजनिक खरीद में स्थानीय एमएसएमई को मूल्य वरीयता प्रदान करने के लिए एक नई नीति लाएगी। पर्यटन क्षेत्र में, सीएम ने कहा कि गुलमर्ग, पहलगाम और सोनमर्ग जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए नए मास्टर प्लान तैयार किए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर का पहला राष्ट्रीय जल क्रीड़ा केंद्र डल झील और बसोहली में स्थापित किया जाएगा। जम्मू में पीपीपी मॉडल के तहत सिदरा गोल्फ कोर्स के पास द्वार गांव में एक वाटर पार्क विकसित किया जाएगा।

बजट में पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में एक बहु-हितधारक सलाहकार समिति के गठन का प्रस्ताव है। सीएम ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में मिशन युवा की शुरुआत की जाएगी, जिसका लक्ष्य स्टार्टअप, एमएसएमई और कौशल कार्यक्रमों के माध्यम से पांच वर्षों में 1,37,000 उद्यम बनाना और 4.25 लाख नौकरियां पैदा करना है। बजट में प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, पर्यटन, नवीकरणीय ऊर्जा और पारंपरिक शिल्प में अत्याधुनिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जम्मू और कश्मीर कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय की स्थापना का प्रस्ताव है।

संरचित कौशल विकास का समर्थन करने के लिए, उड़ान योजना को पुनर्जीवित करने के अलावा पीएमकेवीवाई 4.0, पीएम विश्वकर्मा और अन्य योजनाओं के तहत 5 वर्षों में एक लाख युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। ऋण सहायता और बाजार लिंकेज के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों से पहली पीढ़ी के उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

सीएम ने कहा कि उनकी सरकार जम्मू में अत्याधुनिक विधान परिसर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस बजट में 50 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट में जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और जम्मू-कश्मीर में अत्याधुनिक न्यायिक बुनियादी ढांचे के लिए 125 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

आपदा प्रबंधन के तहत, सीएम ने कहा कि बाढ़ और भूस्खलन सुरक्षा और जलवायु लचीलेपन के लिए जीएलओएफ निगरानी प्रणाली के लिए बजट में 39 करोड़ रुपये की आपदा न्यूनीकरण निधि प्रस्तावित की गई है। अपने बजट भाषण का समापन करते हुए, मुख्यमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट को विचार के लिए विधानसभा को सौंप दिया। बाद में, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सदन के समक्ष वर्ष 2024-2025 के लिए व्यय का अनुपूरक विवरण भी प्रस्तुत किया।

## समकालीन कला एवं शिल्प क्षेत्र

उपराज्यपाल ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता का एहसास कराने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में महिला सशक्तिकरण अब एक जन आंदोलन बन गया है।

उपराज्यपाल ने कहा, जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में महिला नेतृत्व वाले विकास का एक नया युग शुरू हुआ है। आज हमारी नारी शक्ति अपनी सफलता की कहानी खुद लिख रही हैं और जम्मू-कश्मीर की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार बन गई हैं।

उन्होंने कलाकारों, कारीगरों, गैर सरकारी संगठनों, शिक्षकों, उद्यमियों और विभिन्न हितधारकों से महिला सशक्तिकरण के लिए सामूहिक रूप से काम करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि नारी शक्ति को समर्पित सरकारी योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर तक पहुंचे।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने महिला कलाकारों और छात्रों को सम्मानित किया। उन्होंने महिला कलाकारों और कारीगरों द्वारा लगाए गए स्टॉल का भी दौरा किया। महिलाओं के सशक्तिकरण में योगदान के लिए संगठनों और व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री प्रिया सेठी, बुद्ध आर्ट एंड पेंटिंग की संस्थापक संजोगिता डोगरा, पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख, महिला कलाकार, कलाकार, कारीगर, शिक्षक और छात्र उपस्थित थे।

## करनाह में पर्यटन को

स्थानीय लोगों को पर्यटन से लाभ मिलना चाहिए।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन विभाग ने क्षेत्र में पेइंग गेस्ट हाउस और होमस्टे का पंजीकरण शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, फिलहाल, करनाह में हमने छह होमस्टे और टीटवाल में पांच होमस्टे पंजीकृत किए हैं। अब मैं विधायक से इसमें हमारी मदद करने का अनुरोध करता हूं। अगर पर्यटकों को ठहराने के लिए कोई जगह नहीं है, तो उन्हें लाने का कोई मतलब नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हम वहां बड़े होटल नहीं बनाना चाहते। अगर बड़े होटल बन गए, तो स्थानीय लोगों को उनका कोई फायदा नहीं होगा। फिलहाल हमें होमस्टे पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इसके लिए विधायकों को हमारी मदद करनी चाहिए और स्थानीय लोगों को इसमें शामिल करना चाहिए।

सदस्य नजीर अहमद खान गुरेजी के एक अन्य पूरक प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि सरकार करनाह, केरन, माछिल और गुरेज जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों में अकुशल युवाओं की पहचान करेगी, ताकि उन्हें आईटीआई और श्रीनगर के होटल प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षित किया जा सके, ताकि पर्यटन से संबंधित कौशल और व्यापार विकसित किए जा सकें।

उन्होंने कहा, कल अपने बजट भाषण में, मैंने कहा था कि हमारा ध्यान कौशल और उद्यमिता पर है, ताकि युवाओं को कौशल से लैस किया जा सके और उन्हें जम्मू-कश्मीर में अपना भविष्य बनाने के लिए मदद दी जा सके।

सदस्य सैफुल्लाह मीर ने इन स्थलों में स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विकास प्राधिकरण की स्थापना का सुझाव दिया।

इससे पहले, तारांकित प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि करनाह क्षेत्र अपने लुभावने परिदृश्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और नियंत्रण रेखा के पास रणनीतिक स्थान के लिए जाना जाता है।

उन्होंने आगे कहा कि टीटवाल, नवगाबरा में करनू और बुदनम्बल गांवों में प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, ये क्षेत्र मनमोहक परिदृश्य, हरे-भरे घास के मैदान और सांस्कृतिक महत्व रखते हैं, जो इन्हें पर्यटन के लिए आकर्षक स्थल बनाते हैं। इन क्षेत्रों में प्रकृति पर्यटन, साहसिक पर्यटन और सीमा पार विरासत पर्यटन की क्षमता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने इन गांवों को पर्यटन मानचित्र पर लाने के लिए कई पहल की हैं।

करनाह निर्वाचन क्षेत्र में तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए, जम्मू-कश्मीर पर्यटन विभाग ने कुपवाड़ा के टीटवाल में शारदा मंदिर में 'यात्री निवास' के निर्माण के साथ-साथ एक कैफेटेरिया का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

कुपवाड़ा के टीटवाल में शारदा मंदिर में यात्री निवास के निर्माण के साथ-साथ एक कैफेटेरिया का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

परियोजना की अनुमानित लागत 150 लाख रुपये है। उन्होंने सदन को बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में सीमा पर्यटन महोत्सव का आयोजन किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा, यह महोत्सव सितंबर 2022 में टीटवाल में आयोजित किया गया था और इसमें सांस्कृतिक और संगीत कार्यक्रम, कुपवाड़ा से टीटवाल तक एटीवी रैली, प्रकृति फोटोग्राफी सत्र, ट्रेकिंग, कैंपिंग और घुड़सवारी शामिल थी।

उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा अन्य विभागों के सहयोग से 21 जून, 2024 को करनाह निर्वाचन क्षेत्र के टीटवाल क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए योग महोत्सव का आयोजन किया गया था।

# रोहित ब्रिगेड ने दुबई में लहराया तिरंगा, न्यूजीलैंड टीम को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता

**भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब का सूखा समाप्त कर लिया है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया ने रविवार को न्यूजीलैंड को चार विकेट से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वहीं रोहित शर्मा की सेना ने दुबई में तिरंगा लहराया।**

**नई दिल्ली**

12 साल का लंबा इंतजार खत्म हो गया है... भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब का सूखा समाप्त कर लिया है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया ने रविवार को न्यूजीलैंड को चार विकेट से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वहीं रोहित शर्मा की सेना ने दुबई में तिरंगा लहराया। भारत ने हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच दुबई के मैदान पर खेले और एक भी हार नहीं झेली।

न्यूजीलैंड ने फाइनल में 252 रनों का टारगेट दिया, जिसे भारत ने 49 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर चेज किया। भारत ने न्यूजीलैंड से फाइनल में हार का हिसाब बराबर कर लिया है। न्यूजीलैंड ने साल 2000 में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत को हराया था। कीवी टीम ने इसके अलावा 2021 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल जीता था।

लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया के लिए रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी हुई। गिल 50 गेंद में 31 रन बनाकर आउट हुए। कुछ गेंद के बाद विराट कोहली दो गेंद के बाद विराट कोहली दो गेंद में एक रन ही बनाकर एलबीडब्ल्यू हो गए।

रोहित 83 गेंद में 76 रन बनाकर पवेलियन लौटे। श्रेयस अय्यर ने 62 गेंद में 48 रन की पारी खेली। उन्होंने अक्षर के साथ 61 रन की साझेदारी की लेकिन 39वें ओवर में सेंटनर का शिकार बने। अक्षर 40 गेंद में 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हार्दिक पंड्या 18 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें काइल जैमीसन ने आउट किया। जबकि केएल राहुल और रविंद्र जडेजा नाबाद लौटे।

वहीं, पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत सधी हुई थी। विल यंग और रचिन रविंद्र ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 57 रन की साझेदारी हुई। वरुण चक्रवर्ती ने भारत को पहली सफलता दिलाई। उन्होंने यंग (15) को पवेलियन का रास्ता दिखाया। रचिन रविंद्र 29 गेंद में 37 रन बनाकर आउट हुए। कुलदीप ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया। केन विलियमसन 14 गेंद में 11 रन ही बना पाए। टॉम लैथम ने 30 गेंद में 14 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 34 रन की पारी खेली। डेरिल मिचेल ने कीवी टीम के लिए सबसे ज्यादा 63 रन की पारी खेली। उन्हें शमी ने आउट किया। इसके बाद कप्तान मिचेल सैंटनर महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं माइकल ब्रेसवेल शतकीय पारी खेलकर नाबाद लौटे। टीम इंडिया की ओर से वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने 2-2 विकेट लिए। फिलहाल, भारत को खिताब जीतने के लिए 252 रन चाहिए।

# मुख्य सचिव ने अभिनव थियेटर में बायोपिक 'सर्वव्यापक भगवान गोपीनाथजी' का विमोचन किया

**जम्मू**

मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने अभिनव थियेटर में बायोपिक 'सर्वव्यापक भगवान गोपीनाथजी' का अनावरण किया।

शंकर नाथ फोतेदार द्वारा लिखित और भगवान गोपीनाथजी ट्रस्ट द्वारा निर्मित जीवनी पर आधारित यह फिल्म पूज्य संत भगवान गोपीनाथजी के जीवन, शिक्षाओं और आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाती है।

इस कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी पी.के. पोल, संस्कृति आयुक्त सचिव के रमेश कुमार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह और राहत आयुक्त (प्रवासी) डॉ. अरविंद करवानी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

पूर्व मुख्य सचिव विजय बकाया और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बी.एल. भट्ट और सुनील हाली भी मौजूद थे।

इस अवसर पर पद्मश्री से सम्मानित, अनुभवी फिल्म निर्माता और लेखक प्राण किशोर कौल मुख्य अतिथि थे। उल्लेखनीय है कि कौल ने बायोपिक के लेखक और सह-निर्देशक के रूप में भी काम किया है, और अरुण मवनूर के साथ निर्देशन की ज़िम्मेदारियाँ साझा की हैं।

प्राण किशोर कौल ने बायोपिक के पीछे की रचनात्मक यात्रा के बारे में जानकारी साझा की, जिसमें भगवान गोपीनाथजी की विरासत को चित्रित करने के लिए आवश्यक व्यापक शोध और कलात्मक समर्पण पर ज़ोर दिया गया।

इस कार्यक्रम में के.के. रैना भी शामिल हुए, जो थिएटर और सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

भगवान गोपीनाथजी ट्रस्ट की संस्थापक ट्रस्टी जय किशोरी पटवारी ने समारोह की अध्यक्षता की।

उन्होंने बायोपिक के निर्माण में किए गए व्यापक शोध, समर्पण और दूरदर्शिता के बारे में विस्तार से बताया। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार राजदान ने मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

ट्रस्ट के सचिव सोहन कृष्ण खोरदी ने पूरे भारत में संगठन की परोपकारी और आध्यात्मिक पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें सामाजिक कल्याण कार्यक्रम, चिकित्सा सेवाएं और अनाथों और बुजुर्गों के लिए सहायता शामिल है।

कार्यक्रम का समापन फिल्म में शामिल कलाकारों और योगदानकर्ताओं के सम्मान के साथ हुआ, जिसमें इस आध्यात्मिक कथा को जीवंत करने में उनके अमूल्य प्रयासों को स्वीकार किया गया।